संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 181
पृष्ठ 8
शनिवार
22 मार्च 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कोहनी के कालेपन को कहें अलविदा...
विचार- सुनीता-विल्मोर की वापसी विज्ञान...
खेल- कोलकाता और बेंगलुरु के बीच...

राम मंदिर के लिए छोड़ भी सकते हैं सत्ता : योगी

● जिसने राम पर लिखा, वह महान हुआ : सीएम योगी
● भारत तभी विकसित हो सकता है जब उसके लोग एकजुट हों

अयोध्या, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत तभी विकसित हो सकता है जब उसके लोग एकजुट हों। उन्होंने कहा कि अगर भारत एकजुट रहेगा तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती। श्री अयोध्या धाम में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम–युवा) के अंतर्गत अयोध्या मण्डल के उद्यमियों को ऋण वितरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए योगी ने कहा कि जिसने 'राम' पर लिखा, वह महान हुआ। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में सूर्यवंश की परंपरा में एक अवतार के रूप में मानवीय मर्यादा और आदर्श के सर्वोत्तम स्वरूप प्रभु श्री राम हैं जिनकी पावन धरा पर आयोजित यह सम्मेलन अदभुत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा,"मैं अद्भुत इसलिए कहूंगा कि इतने वर्षों तक अयोध्या मौन रही, जबकि यह सत्य है कि जिसने राम पर लिखा वह महान हुआ।" उन्होंने कहा कि महर्षि नारद ने महर्षि वाल्मीकि को प्रेरणा दी कि इस धरती पर लिखने के लिए कोई महामानव है तो वह केवल राम हैं, राम पर लिखोगे तो लेखनी धन्य हो जाएगी। योगी ने साफ तौर पर कहा कि श्री राम मंदिर के लिए सत्ता भी गंवानी पड़ेगी तो कोई समस्या नहीं। उन्होंने कहा कि हम सत्ता के लिए नहीं आए हैं। 3 पीढ़ियां राम मंदिर आंदोलन के लिए समर्पित रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यावहारिक संस्कृति पर दुनिया का पहला महाकाव्य रामायण बना जो साहित्य का आधारभूमि है तथा आप वैदिक संस्कृति से व्यावहारिक संस्कृति में आ गये। उन्होंने कहा व्यावहारिक संस्कृति से कैसे अपनी लेखनी को धन्य करना है, यह सीखना है तो महर्षि वाल्मीकि के शरण में जाएं, जिन्होंने राम को आधार बनाकर महाकाव्य की रचना कर डाली, उससे पहले उस प्रकार का महाकाव्य किसी ने नहीं रचा। योगी का कहना था कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम उसकी आत्मा बने, अयोध्या उसका आधार बनी तो साहित्य की एक नयी विधा का सृजन हो गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमियों को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) एक बेहतरीन स्कीम है। उन्होंने कहा कि आस्था भी आजीविका का माध्यम बन सकती है, 'संस्कृति का पर्व' भी 'रोजगार का पर्व' बन सकता है, संस्कृति भी समृद्धि का आधार बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह वही उत्तर प्रदेश है, जहां उपद्रव होते थे, आज उस प्रदेश में उपद्रव नहीं, उत्सव मनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विगत 8 वर्षों में वे सभी बैरियर हटाए गए हैं, जो उत्तर प्रदेश के विकास में बाधक थे।

जातीय जनगणना का विरोध राष्ट्रविरोध, अभी अधूरा है बाबासाहेब का सपना

प्रोफेसर थोराट से चर्चा में बोले राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह दावा करके नया विवाद खड़ा कर दिया है कि भारत की शिक्षा प्रणाली निचली जातियों के साथ अन्यायपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की असमानता के बारे में सच्चाई सामने लाने के लिए जाति जनगणना महत्वपूर्ण है और कहा कि वे सभी के बीच संसाधनों के समान वितरण को सुनिश्चित करने के बीआर अंबेडकर के सपने को पूरा करने के लिए लड़ेंगे। भाजपा ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र मेंभारत की योग्यता प्रणाली के बारे में कांग्रेस नेता का रोना पार्टी की वंशवादी मानसिकता को दर्शाता है। भारत की शिक्षा प्रणाली में निचली जातियों के पक्ष में न होने के राहुल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने कहा, ष्योग्यता पर राहुल गांधी का चौंकाने वाला बयान कांग्रेस की भाई–भतीजावादी और सामंती मानसिकता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। वंशवादी कांग्रेस ने हमेशा एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों से संबंधित मेधावी नेताओं को अपमानित किया है, जिन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में प्रगति की है। यूजीसी के पूर्व अध्यक्ष और शिक्षाविद सुखदेव थोराट के साथ बातचीत में राहुल ने कहा योग्यता की एक पूरी तरह से दोषपूर्ण अवधारणा है, जहां मैं अपनी सामाजिक स्थिति को अपनी क्षमता के साथ भ्रमित करता हूं। अगर कोई यह कहता है कि हमारी शिक्षा प्रणाली या हमारी नौकरशाही प्रवेश प्रणाली दलितों, ओबीसी (अन्य पिछड़ी जातियों) और आदिवासियों के लिए निष्पक्ष है।

तिरुमाला में मुमताज होटल परियोजना रद्द, चंद्रबाबू नायडू बोले- पहाड़ियों के पास नहीं होनी चाहिए व्यवसायिक गतिविधि

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि तिरुमाला मंदिर में केवल हिंदुओं को ही काम पर रखा जाना चाहिए। अगर अन्य धर्मों के लोग वर्तमान में वहां काम कर रहे हैं, तो उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना उन्हें अन्य स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। तिरुमाला की सात पहाड़ियों के पास व्यावसायिक गतिविधियों के बारे में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि इस क्षेत्र से सटे मुमताज होटल के लिए पहले अनुमति दी गई थी। हालांकि, सरकार ने अब होटल के लिए मंजूरी रद्द करने का फैसला किया है, जिसे 35.32 एकड़ जमीन पर बनाने की योजना थी।

मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि तिरुमाला की सात पहाड़ियों के पास कोई व्यवसायिक गतिविधि नहीं होनी चाहिए। टेंडर रद्द करने का फैसला पवित्र पहाड़ियों के पास लक्जरी रिसॉर्ट के निर्माण के बढ़ते विरोध के बाद लिया गया, क्योंकि इसकी पवित्रता को लेकर चिंताएं थीं। 12 फरवरी को साधुओं और पुजारियों ने अलीपीरी श्रीवारी पडालू, एक पूजनीय स्थल के पास होटल के निर्माण के खिलाफ भूख हड़ताल की घोषणा की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह तिरुमाला क्षेत्र और श्री वेंकटेश्वर मंदिर की आध्यात्मिक पवित्रता का उल्लंघन करेगा। विवाद की शुरुआत 2021 में हुई थी, जब जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने अपनी 2020–2025 पर्यटन नीति के तहत एक सरकारी आदेश (ळव्) जारी किया था। इस आदेश में बड़े पैमाने पर लग्जरी पर्यटन परियोजना का प्रस्ताव था, जिसमें डेवलपर्स को प्रोत्साहन दिया गया था। ओबेरॉय ग्रुप की सहायक कंपनी मुमताज होटल्स लिमिटेड को 250 करोड़ रुपये के शुरुआती निवेश के साथ 100 लग्जरी विला वाले रिसॉर्ट बनाने के लिए 20 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी।

सीबीआई ने इंद्राणी मुखर्जी की बेटी को अपना गवाह बनाया, क्या आएगा नया ट्विस्ट?

नई दिल्ली, एजेंसी। सीबीआई ने शीना बोरा हत्याकांड में गवाहों की अपनी दूसरी सूची यहां एक विशेष अदालत में पेश की, जिसमें आरोपी इंद्राणी मुखर्जी की बेटी विधि मुखर्जी भी शामिल है। सूची में 125 व्यक्तियों का उल्लेख है, जिन्हें एजेंसी मामले में अभियोजन पक्ष के गवाह के रूप में पूछताछ करने का प्रस्ताव दे रही है। यह पिछले सप्ताह केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा प्रस्तुत पहली सूची के अतिरिक्त है, जिसमें 69 गवाहों के नाम थे। पिछले सप्ताह, मामले की मुख्य आरोपियों में से एक इंद्राणी मुखर्जी ने सीबीआई से इस बात पर स्पष्टता मांगी थी कि क्या विधि को गवाह के रूप में हटा दिया गया है, ताकि वह उससे मिल सके। जब इंद्राणी को जमानत दी गई थी, तो उस पर लगाई गई शर्तों में से एक यह थी कि वह मामले के किसी भी गवाह से नहीं मिलेगी। विधि, संजीव खन्ना से इंद्राणी की पहली शादी से हुई बेटी है, जो मामले में आरोपी भी है। इंद्राणी की पहले रिश्ते से हुई बेटी शीना बोरा की कथित तौर पर इंद्राणी, उसके ड्राइवर श्यामवर राय और उसके पूर्व पति खन्ना ने गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इसके बाद उसके शव को जला दिया गया और रायगढ़ जिले के एक जंगल में फेंक दिया गया। यह अपराध 2015 में तब प्रकाश में आया जब राय, जो बाद में इस मामले में सरकारी गवाह बन गया, ने एक अन्य मामले में अपनी गिरफ्तारी के बाद विवरण का खुलासा किया। पूर्व मीडिया कार्यकारी इंद्राणी और खन्ना को अगस्त 2015 में गिरफ्तार किया गया था, और इंद्राणी के पूर्व पति और मीडिया दिग्गज पीटर मुखर्जी को तीन महीने बाद गिरफ्तार किया गया था।

सरासर गलत फैसला...

ब्रेस्ट पकड़ना रेप नहीं वाली हाई कोर्ट की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। किसी लड़की के स्तनों को पकड़ना, उसके पाजामे का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे खींचने का प्रयास करना... बलात्कार या बलात्कार के प्रयास का आरोप लगाने के लिए पर्याप्त नहीं है।ष ये इलाहाबाद के चीफ जस्टिस राम मनोहर नायायण मिश्रा का कहना है। धारा 376 यानी बलात्कार और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण यानी पास्को अधिनियम की धारा 18 के अंतर्गत दर्ज एक मुकदमे में जमानत देते हुए उन्होंने ये टिप्पणी की और फिर ये सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। ये मामला कासगंज जिले का है। यहां के रहने वाले पवन और आकाश पर एक नाबालिग लड़की से रेप के प्रयास के आरोप लगे थे। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के हाल ही में दिए गए फैसले की कड़ी निंदा की है। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए अन्नपूर्णा देवी ने इसे गलत बताया और सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह के फैसले से समाज में गलत संदेश जाएगा। देवी की भावनाओं को दोहराते हुए, अन्य महिला नेताओं ने भी सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की सांसद जून मालिया ने एक निजी मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश में जिस तरह से महिलाओं के प्रति पूरी तरह से उपेक्षा की जा रही है, वह काफी घृणित है, जिसे हमें खत्म करने की जरूरत है। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं फैसले में की गई टिप्पणियों से बहुत हैरान हूं। यह बहुत शर्मनाक स्थिति है। उन पुरुषों द्वारा किए गए कृत्य को बलात्कार के बराबर का कृत्य कैसे नहीं माना जा सकता? मुझे इस फैसले के पीछे का तर्क समझ में नहीं आता। सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

आरोपी पवन और आकाश को कासगंज की एक कोर्ट ने आईपीसी की धारा 376 (दुष्कर्म) और पॉक्सो एक्ट की धारा 18 के तहत मुकदमे के लिए तलब किया था। आरोपियों ने निचली अदालत के समन को हाई कोर्ट में चुनोती दी थी। आरोपियों की ओर से ये तर्क दिया गया था कि उन्होंने धारा 376 के तहत कोई अपराध नहीं किया है।

आसियान देशों की बैठक में आतंकवाद से निपटने की मजबूत रणनीति पर बल दिया गया

नयी दिल्ली, एजेंसी। आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों और विशेषज्ञ कार्य समूह की आतंकवाद पर 14 वीं बैठक में आतंकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरे से निपटने के लिए एक मजबूत और व्यापक रणनीति विकसित करने पर बल दिया गया है। बैठक में आसियान सचिवालय, आसियान देशों (लाओ पीडीआर, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम), एडीएमएम–प्लस सदस्य देशों (चीन, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कोरिया गणराज्य) के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया।

आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक हुई शुरू

बेंगलुरु, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक शुक्रवार को शुरू हो गई। संघ प्रमुख सरसंघचालक मोहन भागवत ने इस बैठक का उद्घाटन किया जबकि सरकार्यवाह कार्यवाही का संचालन किया। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 21–23 मार्च तक होगी। बैठक में आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले, सभी सह–सरकार्यवाह (संयुक्त महासचिव), अन्य पदाधिकारी और कार्यकारी समिति के सदस्य शामिल हैं। इस बैठक में कुल 1500 कार्यकर्ता शामिल हुए हैं, जिनमें मुख्य रूप से प्रांत और क्षेत्र स्तर के निर्वाचित प्रतिनिधि शामिल हैं। आरएसएस से जुड़े संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महासचिव और संगठन मंत्री भी मौजूद हैं। इनमें भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष भी शामिल थे। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने इस बैठक के बारे में बताया कि संघ व्यवस्था में, इस बैठक (बैठक) को सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था माना जाता है, और यह हर साल आयोजित की जाती है।

नागपुर हिंसाः औरंगजेब का कब्र हटाने की मांग, बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। नागपुर हिंसा के बाद मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने का मुद्दा हर जगह चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका (ओआईएल) दायर की गई है। केतन तिरोडकर नामक व्यक्ति ने बॉम्बे उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर कर औरंगजेब के मकबरे को ध्वस्त करने तथा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को औरंगजेब के मकबरे को राष्ट्रीय स्मारकों की सूची से हटाने का निर्देश देने की मांग की है, क्योंकि यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण अधिनियम, 1958 की धारा 3 के अनुरूप नहीं है। पुलिस ने नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान और पांच अन्य के खिलाफ देशद्रोह और सोशल मीडिया पर गलत सूचना फैलाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि हिंसा के तीन दिन बाद शहर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू हटा लिया गया या उसमें ढील दी गई। बरेलवी संप्रदाय के मौलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर फिल्म 'छावा' पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उनका आरोप है कि यह सांप्रदायिक तनाव को भड़का रही है और नागपुर हिंसा के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। दक्षिणपंथी संगठनों की मांग के बीच कि महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में मुगल बादशाह औरंगजेब के मकबरे को हटाया जाए, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने 18वीं सदी की इस इमारत के दो तरफ टिन की चादरें लगा दी हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को नागपुर में हुई हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि भारत विविधता में एकता के लिए जाना जाता है। साइबर अपराध विभाग ने फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब अधिकारियों से उनके प्लेटफॉर्म पर 230 प्रोफाइल के बारे में जानकारी मांगी है और उन्हें ब्लॉक करने की मांग की है, डीसीपी साइबर क्राइम लोहित मतानी ने नागपुर में संवाददाताओं को बताया।

संस्थापित 2001
संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना
हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन
शहर समता
प्रयागराज से प्रकाशित
संपादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
प्रबंध संपादक अरविन्द पाण्डेय
पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002
M.: 9005239332, 9450482227
E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

प्रयागराज में चल रहे अवैध बस अड्डे: रोडवेज स्टेशनों से दबंग उठा ले जाते हैं सवारियां

प्रयागराज। शासन की सख्ती के बावजूद संगमनगरी में अवैध बस अड्डों का संचालन धड़ल्ले से चल रहा है। 20 से अधिक अवैध बस अड्डों से 200 से अधिक डग्गामार वाहन रोडवेज को चपत लगा रहे हैं। हालत यह है कि दबंग संचालक रोडवेज बस स्टेशनों से सवारियां उठा ले जा रहे हैं।

शासन की सख्ती के बावजूद संगमनगरी में अवैध बस अड्डों का संचालन धड़ल्ले से चल रहा है। 20 से अधिक अवैध बस अड्डों से 200 से अधिक डग्गामार वाहन रोडवेज को चपत लगा रहे हैं। हालत यह है कि दबंग संचालक रोडवेज बस स्टेशनों से सवारियां उठा ले जा रहे हैं। बावजूद इसके कार्रवाई की बजाय अफसर खामोश हैं। शहर में रोडवेज के समानांतर अवैध बस स्टेशन सड़कों की पटरियों को कब्जा कर चलाए जा रहे हैं। निजी बस संचालकों को किसी का डर नहीं है। नियम है कि बस अड्डे के एक किमी के दायरे में कोई निजी वाहन सवारी नहीं भरेंगे।

इसके बावजूद परिवहन निगम के समानांतर डग्गामार वाहन बस स्टेशन से थोड़ी दूर पर ही चल रहे हैं। इन पर पाबंदी लगाने में जिम्मेदार अफसर नाकाम हैं। शहर में 20 से अधिक स्थानों पर प्राइवेट बस अड्डे सड़क पर ही संचालित हो रहे हैं। रोडवेज के अधिकारियों ने ऐसे 100 वाहनों का नंबर व फोटो सहित सूची तैयार की थी। अधिकारी कार्रवाई की मांग के लिए आरटीओ, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों को पत्र भी लिखे, लेकिन फिर चुप्पी साधकर बैठ गए। रोडवेज कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय प्रभारी राजकुमार शुक्ल बताते हैं, इसकी वजह से परिवहन विभाग को रोजाना लाखों के राजस्व का नुकसान हो रहा है। बावजूद इसके यह अवैध कारोबार फल–फूल रहा है।

आरटीओ कार्यालय के अधिकारियों का भी है संरक्षण

उनका आरोप है कि इन दबंग बस अड्डा संचालकों को संभागीय परिवहन कार्यालय के अफसरों के साथ ही पुलिस का भी संरक्षण मिल रहा है। ऐसी सवारियां ढोने वाली 233 बसों एवं कारों की सूची तैयार की गई है। निजी वाहन संचालक बस स्टैंड के बाहर से यात्रियों को जबरन अवैध बस स्टैंड पर लेकर चले जाते है। कई बार झड़प एवं धक्का–मुक्की हो चुकी है। इसकी वजह से कभी भी बड़ी घटना घट सकती है। उधर डग्गामार बसों के संचालकों के अनुसार, बसों के संचालन में वसूली का रेट भी तय है। महीने का पांच हजार रुपये प्रति बस अलग–अलग विभाग वसूलते हैं। वसूली की रकम बढ़ने से अब नुकसान होने लगा है। पूंजी के हिसाब से आमदनी नहीं हो पा रही है, इसलिए कई बस संचालकों ने अपनी बसें बेच दीं।

केस–एकः सिविल लाइंस बस अड्डा

सिविल लाइंस हनुमान मंदिर के बगल में प्रतिदिन 50 से अधिक निजी बसों का संचालन होता है। बृहस्पतिवार को यहां प्राइवेट बसों को खड़ा कर खुलेआम सवारियां भरी जा रही थीं। यहां से जौनपुर, आजमगढ़, ऐरावत और बैरहना आदि स्थानों के लिए डग्गामार बसों का संचालन होता है। नाम न छापने की शर्त पर एक बस संचालक ने बताया कि प्रतिदिन स्टैंड शुल्क भी देना होता है। इसके अलावा स्थानीय पुलिस को भी हर माह हजारों में तय शुल्क देना होता है। देर रात दिल्ली के लिए लग्जरी बसें सवारियां भरती हैं।

केस–दोः रामबाग रेलवे स्टेशन

यहां से भदोही, वाराणसी और हंडिया के लिए 70 से 75 बसों का संचालन होता है। यहां मौजूद राजकुमार नामक एक प्राइवेट बस के परिचालक ने बताया कि गुलाब नाम का कोई ठेकेदार स्टैंड का 150 रुपये प्रतिदिन वसूलता है और वही सड़क पर बसें लगवाता है। विभागों के वसूली का रेट भी तय है। उन्हें हर माह पेमेंट करना होता है। सिर्फ कहने के लिए यह धंधा है, नुकसान उठाना पड़ रहा है।

केस–तीनः नया बैरहना चौक

संगम क्षेत्र के नया बैरहना चौक से करीब 200 डग्गामार बसों का संचालन होता है। यहां से रीवा, मांडा, भारतगंज, मिर्जापुर के लिए बसें सवारियां भरती हैं। बस चालक संदीप ने बताया कि यातायात पुलिस को प्रतिदिन पैसा देना पड़ता है। इसके बावजूद थाने में पुलिस को, स्टैंड एवं अन्य के लिए पैसे देना होता है। कुछ ऐसा ही हाल खुसरो बाग प्राइवेट बस स्टैंड का भी है। यहां से 20 से 25 निजी बसें चलती हैं।

केस–चार

चंद्रलोक सिनेमाघर के बगल में रात में छत्तीसगढ़, विलासपुर, लीला रोड पर कानपुर, फतेहपुर, चित्रकूट के लिए प्राइवेट बसें सवारियां भरती हैं। यहां दुकानदार अरविंद ने बताया कि बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर बस चालक ले जाते हैं। देर रात में भी लंबी दूरी की बसें जाती हैं। परिवहन विभाग और पुलिस के संरक्षण में ही बस संचालक शहर में सड़क पर ही प्राइवेट बसें खड़ी कर सवारियां भरते हैं।

सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने तैयार की सूची

सिविल लाइंस डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने सिविल लाइंस बस स्टैंड के पास अवैध रूप से बसें चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कई बार आरटीओ और पुलिस के अफसरों को पत्र लिखा है। तकरीबन 100 बसों और 30 कारों की सूची तैयार कर आरटीओ, डीएम व पुलिस के अफसरों को भेजा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर कोई अभियान नहीं चलाया गया। बस परिचालक मनोज कनौजिया, बबलू दूबे, शिवराम, लोकनाथ यादव का कहना है कि अवैध बसों के संचालन की वजह से सवारियां नहीं मिलती हैं। परिवहन निगम को प्रतिदिन पांच लाख की राजस्व हानि हो रही है। तीन माह पहले इस मुद्दे को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया था, फिर भी कुछ नहीं हुआ।

डग्गामार वाहनों के खिलाफ एआरएम का पुलिस के साथ समय–समय पर अभियान चलता रहता है। मौके से जो पकड़े जाते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाती है। अप्रैल 2024 से 28 फरवरी 2025 के बीच बिना परमिट वाले 45 बसों सहित 228 वाहनों, परमिट शर्तों के उल्लंघन में 314 बसों सहित 538 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। 359 बसों का चालान किया गया है। 34.17 लाख की वसूली की गई है। – संजय गुप्ता, आरटीओ

पुलिस का रेट है फिक्स

रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक के खिलाफ परिवहन निगम ने शुरू की जांच

यूपी रोडवेज कर्मचारी संघ की शिकायतों पर परिवहन निगम ने क्षेत्रीय प्रबंधक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। जांच कर रहे प्रधान प्रबंधक (एमएमटी) गौरव पांडेय के समक्ष बुधवार को लखनऊ में दोनों पक्षों ने बयान भी दर्ज कराए। शिकायत करने वाले कर्मचारी नेताओं को 28 मार्च को फिर बुलाया गया है। कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष चंद्रबली उपाध्याय व क्षेत्रीय मंत्री उमाशंकर मौर्य ने 24 बिंदुओं पर क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज त्रिवेदी के खिलाफ अलग–अलग तिथियों में निगम अध्यक्ष से शिकायत की थी। इसमें महाकुंभ से जुड़ी राशि का गबन करने से लेकर भ्रष्टाचार के कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। इनकी जांच कर रहे प्रधान प्रबंधक ने कर्मचारी नेताओं से आरोपों के संबंध में साक्ष्य लिए हैं। वहीं, प्रबंधक से भी सफाई ली है।

जस्टिस यशवंत वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट करने पर भड़का HBCA, कहा- हम कूड़ा घर नहीं

प्रयागराज। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट किए जाने के सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम के फैसले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। जस्टिस वर्मा के घर कथित तौर पर करोड़ों रुपये मिले हैं। इसके बाद उनका तबादला इलाहाबाद किया गया है। हाईकोर्ट बार ने कोलेजियम के फैसले पर हैरानी जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट किए जाने पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। बार एसोसिएशन ने पत्र जारी कर कहा है कि हम कूड़ा घर नहीं हैं। बार ने कहा कि

समाचार पत्रों के माध्यम से पता चला है कि दिल्ली में न्यायमूर्ति के घर में लगी आग को बुझाने के दौरान लगभग 15 करोड़ रुपए मिले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लेते हुए न्यायमूर्ति का स्थानांतरण इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया है। हाईकोर्ट बार ने पत्र जारी कर इसका कड़ा विरोध किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के तबादले का विरोध किया है। जिनके सरकारी घर से कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। एसोसिएशन ने कहा कि यह श्कचरादानश नहीं है। न्यायाधीश के तबादले की खबर सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम द्वारा दिए जाने के तुरंत बाद पारित एक प्रस्ताव में एसोसिएशन ने कहा कि हम इस बात से हैरान हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को वापस इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कथित तौर पर इस घटना के बाद न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली उच्च न्यायालय से उनके पैतृक इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने का फैसला किया है।

सीलिंग फैन के हैंगिंग रॉड से मारकर पिता की हत्या, पैसा न देने पर नाबालिग बेटा बना कातिल

प्रयागराज। शराब के लिए पैसा न देने पर नाबालिग बेटे ने पिता की हत्या कर दी। विवाद के दौरान उसने सीलिंग फैन के हैंगिंग रॉड से वृद्ध पिता के सिर पर वार कर दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शराब के लिए पैसा न देने पर नाबालिग बेटे ने पिता की हत्या कर दी। विवाद के दौरान उसने सीलिंग फैन के हैंगिंग रॉड से वृद्ध पिता के सिर पर वार कर दिया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। किशोर घर से भागकर चौराहे पर पहुंचा और वहां पर पीकेट ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को घटना की जानकारी दी तो वह दंग रह गए। पुलिस ने किशोर को हिरासत में ले लिया है। बेटी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कौंधियारा क्षेत्र के सेहरा गांव के रहने वाले भारत लाल पटेल खेती किसानी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनकी चार बेटियां और एक बेटा है। दो बेटियों की शादी हो गई है, जबकि दो बेटियां और बेटा घर पर ही रहते हैं। इकलौता बेटा 16 साल का है और वह शराब का आदी हो चुका है। बृहस्पतिवार को रात करीब ग्यारह बजे बेटा घर पहुंचा और पिता भरत लाल से पैसे मांगने लगा। पैसा देने से मना करने पर पिता–पुत्र में विवाद शुरू हो गया। इसी दौरान घर में रखे सीलिंग फैन लटकाने के रॉड से बेटे ने पिता के सिर पर हमला कर दिया। इससे भारत लाल की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद घबराकर आरोपी बेटा सड़क की तरफ भाग गया। चौराहे पर उसने पीकेट ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों से बताया कि उसने अपने पिता की हत्या कर दी है। यह सुनकर पुलिसकर्मी दंग रह गए। पहले उनको विश्वास नहीं हुआ और सोचा कि यह शराब के नशे में बोल रहा है। इसके बाद जब आरोपी रोने और चिल्लाने लगा तो पुलिसकर्मी उसको लेकर घर पहुंचे तो वृद्ध का शव पड़ा था। पुलिस को देखकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

मूल्यांकन ने पकड़ी रफ्तार, दो दिन में जांच ली गईं 15 फीसदी कॉपियां

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की कॉपियों के मूल्यांकन कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। पहले दिन जहां छह फीसदी कॉपियों का मूल्यांकन किया गया था, वहीं दूसरे दिन बृहस्पतिवार को नौ फीसदी से अधिक कॉपियां जांच ली गईं।

यूपी बोर्ड की वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की कॉपियों के मूल्यांकन कार्य ने रफ्तार पकड़ ली है। पहले दिन जहां छह फीसदी कॉपियों का मूल्यांकन किया गया था, वहीं दूसरे दिन बृहस्पतिवार को नौ फीसदी से अधिक कॉपियां जांच ली गईं। यही रफ्तार रही तो कॉपियों का मूल्यांकन निर्धारित समय में हो जाएगा। हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की कुल तीन करोड़ एक लाख 48 हजार 236 कॉपियों का मूल्यांकन किया जाना है और दो दिनों में 45 लाख 78 हजार 402 (15.19 फीसदी) कॉपियों का मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है।

बोर्ड ने दो अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। बृहस्पतिवार को हाईस्कूल की 16,10,066 व इंटरमीडिएट की 11,43,779 (कुल 27,53,845) कॉपियों का मूल्यांकन किया गया। वहीं, पहले दिन बुधवार को कुल 18,24,557 कॉपियों का मूल्यांकन किया गया था, जिनमें हाईस्कूल की 11,42,78 व इंटरमीडिएट की 6,82,479 कॉपियां शामिल थीं।

परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ने के कारण कॉपियों के मूल्यांकन ने तेजी पकड़ी है। मूल्यांकन कार्य प्रदेश के 261 केंद्रों में कराया जा रहा है। बुधवार को जहां 73,951 परीक्षक मूल्यांकन केंद्र पहुंचे थे, वहीं बृहस्पतिवार को इनकी संख्या बढ़कर 77,978 हो गई। मूल्यांकन के लिए 1,41,510 परीक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। राजकीय व एडेड विद्यालयों से नियुक्त 90 फीसदी से अधिक परीक्षकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है लेकिन निजी विद्यालय के परीक्षकों की उपस्थिति अब भी कम है।

हाईस्कूल की एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 241 और इंटरमीडिएट एक करोड़ 26 लाख 79 हजार 995 कॉपियों का मूल्यांकन होना है, जिनमें से अब हाईस्कूल की एक करोड़ 47 लाख 16 हजार 97 हजार व इंटरमीडिएट की एक करोड़ आठ लाख 53 हजार 737 कॉपियां जांची जानी बाकी हैं।

प्रयागराज में 16 फीसदी कॉपियों का मूल्यांकन पूरा

बोर्ड परीक्षा की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए बनाए गए केंद्रों में दो दिन में 16 फीसदी कॉपियों का मूल्यांकन पूरा कर लिया गया है। प्रयागराज स्थित 10 मूल्यांकन केंद्रों में 12,92,551 कॉपियों का मूल्यांकन किया जाना है। बृहस्पतिवार को 99,867 कॉपियां जांची गईं। वहीं, दो दिन में कुल 2,08,203 कॉपियों का मूल्यांकन कर लिया गया है। अब 10,84,348 कॉपियों का मूल्यांकन शेष रह गया है। मूल्यांकन के लिए कुल 6616 परीक्षक लगाए गए हैं, जिनमें से 3164 परीक्षकों (48.55 फीसदी) ने उपस्थिति दर्ज कराई है।

सुनवाई का अवसर दिए बिना बुलडोजर कार्रवाई प्राकृतिक न्याय का घोर उल्लंघन, ध्वस्तीकरण पर लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, बिना नोटिस व सुनवाई का अवसर दिए बुलडोजर कार्रवाई प्राकृतिक न्याय का घोर उल्लंघन है। यह टिप्पणी कर कोर्ट ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से जारी ध्वस्तीकरण आदेश को रद्द कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, बिना नोटिस व सुनवाई का अवसर दिए बुलडोजर कार्रवाई प्राकृतिक न्याय का घोर उल्लंघन है। यह टिप्पणी कर कोर्ट ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की ओर से जारी ध्वस्तीकरण आदेश को रद्द कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता, न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने

कृष्णवीर और एक अन्य की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। गाजियाबाद निवासी याची का बसंतपुर सैंथली में मकान है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने यूपी शहरी नियोजन और विकास अधिनियम के तहत याची को 13 अक्तूबर 2023 को नोटिस जारी किया कि उनका निर्माण अवैध है। उसे 25 दिनों के अंदर हटा लिया जाए। पूर्व में उन्हें सुनवाई का अवसर दिया गया। लेकिन, उन्होंने इस अवसर का लाभ नहीं लिया। याची ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। याची के आधिवक्ता कृष्णकांत दुबे, संतोष कुमार दुबे ने दलील दी कि याची का मकान ग्राम पंचायत के अंतर्गत आता है। उन्हें बिना नोटिस व सुनवाई का अवसर दिए प्राधिकरण ने बेदखली आदेश पारित कर दिया। सात मार्च 2025 को बुलडोजर लेकर मौके पर प्राधिकरण के कर्मचारी पहुंचे तो उन्हें इसकी जानकारी हुई। कोर्ट ने कहा, विवादित ध्वस्तीकरण ओदश में कारण बताओ नोटिस जारी करने की तिथि का उल्लेख नहीं है। यह भी नहीं बताया गया है कि याची का पक्ष कब सुना गया। कब उसे नोटिस जारी किया गया। साथ ही इस पर भी कोई विचार नहीं किया गया कि याची के मकान का निर्माण उत्तर प्रदेश शहरी नियोजन और विकास अधिनियम के प्रावधान के तहत विकास प्राधिकरण के क्षेत्र में आने से पहले किया गया था। कोर्ट ने 13 अक्तूबर 2023 के विवादित आदेश को रद्द कर दिया।

पाठ्यक्रम पुराना पर परीक्षा योजना में बदलाव से रिवीजन का मौका नहीं, अभ्यर्थियों के लिए कठिन होगी तैयारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 एक दिन और एक सत्र में कराने का निर्णय लिया है। पहले यह परीक्षा एक दिन व दो सत्रों में होती थी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 एक दिन और एक सत्र में कराने का निर्णय लिया है। पहले यह परीक्षा एक दिन व दो सत्रों में होती थी। एक सत्र में परीक्षा कराने पर पाठ्यक्रम में तो कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन अभ्यर्थियों के लिए तैयारी कठिन होगी। पहले दो सत्रों की परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को दूसरे सत्र की परीक्षा के पाठ्यक्रम के रिवीजन का मौका मिल जाता था, लेकिन अब दोनों सत्रों के प्रश्नपत्रों की परीक्षा एक साथ होगी। आयोग की ओर से परीक्षा योजना में परिवर्तन करते हुए पहले ही स्पष्ट किया जा चुका है कि नई व्यवस्था में प्रारंभिक परीक्षा में अब केवल एक ही प्रश्नपत्र होगा। परीक्षा तीन घंटे की होगी और एक ही पेपर में सामान्य अध्ययन एवं सामान्य हिंदी के प्रश्न शामिल होंगे। प्रश्नपत्र का नाम 'सामान्य अध ययन एवं सामान्य हिंदी (सामान्य शब्द ज्ञान एवं व्याकरण)' होगा और इसमें वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न पूछे जाएंगे। पेपर में 200 प्रश्न होंगे, जिनमें 140 प्रश्न सामान्य अध ययन और 60 प्रश्न सामान्य हिंदी के होंगे।

प्रश्नपत्र 200 अंकों का होगा और हर प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित होगा। अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए तीन घंटे का वक्त मिलेगा।बदलाव से पहले भी परीक्षा 200 अंकों की होती थी, लेकिन लेकिन दो सत्रों में दो अलग–अलग प्रश्नपत्रों की परीक्षा होती थी। दोनों ही प्रश्नपत्र वस्तुनिष्ठ प्रकार के थे। पहला पेपर सामान्य अध ययन का 140 अंकों का था, जिसे हल करने के लिए दो घंटे का वक्त मिलता था। इसमें 140 प्रश्न शामिल होते थे। दूसरा पेपर सामान्य हिंदी का होता था, जिसमें सामान्य शब्द ज्ञान एवं व्याकरण से संबंधित 60 प्रश्न पूछे जाते थे।

दूसरा प्रश्नपत्र 60 अंकों का होता था और इसे हल करने के लिए एक घंटे का वक्त मिलता था। पहले यह परीक्षा दो सत्रों में परीक्षा सुबह 9रू30 से 11रू30 बजे और अपराह्न 2रू30 से 3रू30 बजे तक होती थी। ऐसे में अभ्यर्थियों को दूसरे सत्र की परीक्षा के विषय सामान्य हिंदी के रिवीजन के लिए तीन घंटे का वक्त मिल जाता था, लेकिन अब दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा एक साथ होने से रिवीजन का मौका नहीं मिल सकेगा।

आरओ/एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए रिकॉर्ड संख्या में 10,76,004 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इन सभी की एक ही पाली में परीक्षा कराने से अब प्रश्नपत्रों की सुरक्षा भी आसान होगी। आयोग और प्रशासनिक तंत्र को प्रश्नपत्रों की सुरक्षा व निगरानी के लिए दो की जगह केवल एक सत्र में आवश्यक व्यवस्थाएं करनी होंगी। 11 फरवरी 2024 को हुई आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा–2023 में दोनों पालियों की परीक्षा में सामान्य अध्ययन एवं हिंदी के पेपर लीक होने के मामले सामने आए थे।

नंदी पर हमला मामला: बचाव पक्ष बोला – अभियोजन का दावा झूठा, राजेश पायलट ने नहीं लगाई थी मंत्री नंदी को आवाज

प्रयागराज। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर जानलेवा हमले प्रकरण में बृहस्पतिवार से बचाव पक्ष की दलीलें शुरू हो गई है। पहले दिन आरोपी राजेश यादव की ओर से अभियोजन के दावों को सिरे से नकार दिया गया। कहा कि हमले के वक्त नंदी को उसने आवाज नहीं लगाई थी। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर जानलेवा हमले प्रकरण में बृहस्पतिवार से बचाव पक्ष की दलीलें शुरू हो गई है। पहले दिन आरोपी राजेश यादव की ओर से अभियोजन के दावों को सिरे से नकार दिया गया। कहा कि हमले के वक्त नंदी को उसने आवाज नहीं लगाई थी। वह घटना के वक्त मौजूद ही नहीं था। वह किसी अन्य मुकदमें की पैरवी के लिए जिला अदालत गया हुआ था। जिला अदालत की एमपी एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश डॉ दिनेश चंद्र शुक्ला की अदालत में मंत्री नंदी पर हुए कातिलाना हमले पर अभियोजन की ओर से मंगलवार का बहस पूरी हो चुकी है। अब बचाव पक्ष दलीले पेश कर रहा है। अभियोजन ने अपनी बहस में दावा किया था कि सुपारी किलर राजेश पायलट को मंत्री की पहचान कराने के लिए राजेश यादव ने नंदी को आवाज लगाई थी। आवाज सुन जैसे ही वह मुड़े बम फट गया था। हलांकि, इस दावें को सिरे से नकारते हुए राजेश यादव के अधिवक्ता ने दावा किया कि वादी मुकदमा नंदी का मौसेरा भाई कमल भी मौके पर नहीं था। रंजिशन उसे मुकदमें में फंसाया गया है। 15 साल पहले दिनदहाड़े मंत्री पर हुए हमले में नंदी मरणासन्न अवस्था में पहुंच गये थे। उनसे मिलने घर पहुंचे पत्रकार विजय प्रताप सिंह, राकेश मालवीय, संजय सिंह, अनुज पांडेय, प्रीतम सिंह और श्याम बाबू भी घायल हुए थे। इनमें विजय प्रताप सिंह और राकेश मालवीय की मौत हो गई थी।

भाजपा सभासदों ने किया नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत

मुजफ्फरनगर। भाजपा के सभासदो हिमांशु कौशिक,

प्रियांक गुप्ता, कपिल पाल, सतीश कुकरेजा एवं अमित पटपटिया ने भाजपा के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ सुधीर सैनी को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। डॉ सुधीर सैनी ने भी संगठन के मुखिया होने के नाते बड़े प्रेम से सभी को हृदय से लगा कर शुभकामनाएं व आशीर्वाद दिया।

कारगिल वीर बलिदानी स्मारक पर चलाया स्वच्छता अभियान

मोरना रूसतीर्थ नगरी शुकतीर्थ में कारगिल वीर बलिदानी स्मारक पर शुक्रवार को देश की आजादी में बलिदान हुए महान क्रांतिकारियों की याद में चलाए गए स्मृति सप्ताह के तहत शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसमें भाजपा

कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने क्रांतिकारियों की प्रतिमाओं की साफ सफाई की। भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष चौधरी ब्रजवीर सिंह के संयोजन में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रामकुमार शर्मा, अरूण सिंह, अनुज गोयल, डा. सोहनवीर, केंद्र पाल, डा. अनिल प्रजापति, मोनू पाल, देव सहरावत, श्री गंगा सेवा समिति के मैनेजर देवेंद्र आर्य, राष्ट्रीय सैनिक संस्था के जयपाल फौजी, गुड्डू फौजी आदि ने स्वच्छता अभियान चलाकर शहीदे–आजम क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, राजगुरु , सुखदेव व चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमाओं की साफ सफाई की। समापन पर चौधरी ब्रजवीर सिंह ने कहा कि भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से मुक्त कराने वाले क्रांतिकारियों का देश सदैव ऋणी रहेगा। महान क्रांतिकारियों की याद में स्मृति सप्ताह चला गया है।

दबंगों ने की दिव्यांग सहित परिवारजनों के साथ मारपीट

मोरना। रूस गांव जौली निवासी दिव्यांग बुजुर्ग ने दबंगों पर घर में घुसकर बेटे व पत्नी सहित मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव जौली निवासी आकिल ने जानकारी देते हुए बताया कि वह गरीब व पैरों से दिव्यांग है गुरुवार की देर शाम वह अपने घर पर बैठा था तभी गांव निवासी आधा दर्जन दबंगों ने घर में घुसकर उसके बेटे सुफियान पर जान से मारने की नियत से लाठी डंडों व लोहे की पावड़ी से हमला कर दिया जिसमें सुफियान घायल हो कर जमीन पर गिर पड़ा जब मैंने विरोध किया तो आरोपीयों ने मेरा गला दबाकर मुझे भी जान से मारने का प्रयास किया और मेरे गुप्त अंगों पर भी वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया शोर सुनकर छुड़ाने आई पत्नी को भी आरोपियों ने मारपीट कर घायल कर दिया पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की संगीत साधना वंदनीय : सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न एवं प्रसिद्ध शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खान की जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी संगीत साधना वंदनीय है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर लिखा, ''सुप्रसिद्ध शहनाई वादक, भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खाँ ने

अपने शहनाई वादन से भारत की सांस्कृतिक विरासत के विराट स्वरूप का विश्व से परिचय कराया। उनकी संगीत साधना वंदनीय है। आज उनकी जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! बता दें कि भारत के महानतम संगीतकारों में शुमार किए जाने वाले उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की शुक्रवार को 109वीं जयंती है। बिस्मिल्लाह खान का जन्म 21 मार्च 1916 को बिहार के डुमरांव में हुआ था। खान को 2001 में 'भारत रत्नश से सम्मानित किया गया था। उनका 21 अगस्त 2006 को निधन हो गया।

पूर्वोत्तर रेलवे — **ई–नीलामी**

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के आवंटन हेतु ई–नीलामी (E-Auction) किया जाना है।

आक्शन कैटलाग नम्बरः BSB4WVM23

वाटर वेण्डिंग मशीन के आवंटन का विवरण	अवधि	ई–नीलामी की तिथि	ई–नीलामी का समय
सलेमपुर स्टेशन के PF No.-01	05 वर्ष	08-04-2025	10:00 से 10:30 बजे तक
कप्तानगंज स्टेशन के PF No.-01	05 वर्ष	08-04-2025	10:00 से 10:40 बजे तक
घाघे स्टेशन के PF No.-01	05 वर्ष	08-04-2025	10:00 से 10:50 बजे तक
बेल्थरा रोड स्टेशन के PF No.-01	05 वर्ष	08-04-2025	10:00 से 11:00 बजे तक

नोटः • ई–नीलामी (E-Auction) IREPS पोर्टल पर ऑनलाईन होगी। • ई–नीलामी (E-Auction) में भाग लेने के लिये इच्छुक व्यक्ति द्वारा IREPS पोर्टल पर रू.10,000/- (Non Refundable) ऑनलाईन जमा कर एक बार पंजीकरण (One Time Registration) कराना आवश्यक है। साथ ही उसके पास SBI (स्टेट बैंक आफ इण्डिया) में करेंट खाता हो जिसे IREPS पोर्टल से लिंक करना आवश्यक होगा। EMD कांट्रैक्ट की वार्षिक कीमत का 5% (अर्नेस्ट मनी पांच प्रतिशत) होगी जिसका भुगतान/कटौती आनलाइन उसी खाते से होगी। • ई–नीलामी (E-Auction) से संबंधित नियम एवं शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी IREPS पोर्टल (www.ireps.gov.in) के E-Auction leasing Section मे उपलब्ध है।

मुजाभि/वाणिज्य-248 — सहायक वाणिज्य प्रबन्धक, वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

मंत्री कपिल देव ने समस्याओं को सुनकर निस्तारण का दिया निर्देश

मुजफ्फरनगर। मंत्री कपिल देव ने विद्युत विभाग के आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को सुनकर निस्तारण हेतु प्रबंध निदेशक को निर्देश दिए। वित्तीय वर्ष 2025–26 हेतु अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मंडल मुजफ्फरनगर द्वारा मुजफ्फरनगर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपद मुजफ्फरनगर एवं शामली के सभी मंडल, खण्ड, उपखण्ड एवं कार्यालयों में कंप्यूटर ऑपरेटर की निविदा आमंत्रित की गई है, जिसमें 8 वर्ष से अधिक विभाग में सेवा दे रहे ए–श्रेणी के कंप्यूटर ऑपरेटर्स की संख्या कम करते हुए उन्हें बी–श्रेणी में परिवर्तित कर दिया गया है। इससे उनके वेतन में भी भारी कमी हो जाएगी और संख्या कम होने से कार्यक्षमता में भी गिरावट होगी।

अपनी उपरोक्त समस्या को लेकर आउटसोर्सिंग के माध्यम से जनपद मुजफ्फरनगर में कार्य कर रहे कंप्यूटर ऑपरेटर्स ने आज नगर विधायक एवं उत्तर

प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल से गांधीनगर स्थित उनके आवास पर पहुँचकर निस्तारण कराये जाने की मांग उठाई। मंत्री कपिल देव ने उनकी समस्याओं को सुनकर मौके पर ही प्रबंध निदेशक, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड मेरठ से दूरभाष पर वार्ता कर यथाशीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए।

मंत्री कपिल देव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सभी संविदा कर्मियों और युवाओं को लेकर संवेदनशील है। उन्होंने बताया कि उनका विभाग व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग भी युवाओं को हुनरमंद बनाकर आत्मनिर्भर बना रहा है और उनके कौशल को निखार रहा है। मंत्री कपिल देव ने कहा कि हमारा उद्देश्य न केवल युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर कुशल बनाना है, बल्कि उन्हें इतना सक्षम बनाना है कि वे स्वरोजगार कर दूसरों को भी रोजगार मुहैया करा सके।

कृष्ण नाम का अर्थ ही आकर्षक है–अरविंद जी महाराज

मुजफ्फरनगर। महाराजा अग्रसेन भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पंचम दिन कथा व्यास अरविंद जी महाराज भगवान की बाल लीलाओं एवं गिरिराज धारण लीला का वर्णन करते हुए कहा कि कृष्णा लीला ज्ञान वैराग्य कैसी मूर्ति है जो सभी सनातनियों को धर्म की ओर खींचती हैं कृष्ण का अर्थ ही आकर्षक है जो व्यक्ति को आकर्षित करें और धर्म के मार्ग पर चलाएं, कृष्ण ने अर्जुन को गीता में उपदेश देते हुए कोई एक मार्ग नहीं बताया बल्कि सभी मार्गों अर्थात् संपूर्ण दर्शन सांख्य योग, कर्म योग, भक्ति योग, ज्ञान योग इत्यादि के विषय में विस्तार से बताया, जिसके लिए जो उचित हो वो इनमें से अपने हित के लिए चुनाव कर सकता है। कथा व्यास जी ने बताया कि नटखट कृष्ण का बचपन वृंदावन, बरसाना, नंदगांव, गोकुल और द्वारका आदि जगहों पर बीता,कृष्ण की बाल लीलाओं में गोवर्धन पर्वत लीला, माखन चोर, गाएं चराना, कालिया नाग, गोप गोपियों संग लीलाओं का विस्तार से वर्णन

किया। कथा के मुख्य यजमान साधना तायल, अजय तायल, श्रुतिका तायल ने व्यास पीठ का पूजन किया।

आज कथा में आरती के समय मुख्य रूप से महामृत्युंजय सेवा मिशन अध्यक्ष संजीव शंकर, नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप,वरिष्ठ समाजसेवी भीमसेन कंसल,

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, भाजपा नेता बिजेंद्र पाल(पूर्व सभासद),सत्य प्रकाश मित्तल,अजय तायल, सुरेन्द्र अग्रवाल (रत्न दीप),शिव चरण गर्ग, विनोद सिंघल, मित्र सैन अग्रवाल, वेद प्रकाश संगल, तेजराज गुप्ता, राकेश अग्रवाल, पुरुषोत्तम सिंहल, योगेश सिंघल(भगत जी), कुलदीप मित्तल, हरि शर्मा,पंडित जनार्दन शर्मा, पंडित ब्रह्मप्रकाश शर्मा, मुकेश गोयल,रोशन लाल गर्ग, रचित सिंघल, राजीव गर्ग (गणेशडेयरी), रविन्द्र (एंड), संजय गुप्ता, अशोक तायल वही कथा महिला मंडल में मुख्य रूप से साधना तायल, अंजू अग्रवाल, लतिका गोयल, अलका सिंगल, मयूरी स्वरूप, साधना गोयल, अनीता मित्तल, रेखा मित्तल, सुधा कुचल, नीता बंसल इत्यादि।

होली मेल मिलाप का सुअवसर : यूके सिंह

इलेक्ट्रिकल एवं मकैनिकल कान्ट्रक्टर्स एसोसिएशन का स्वागत एवं होली मिलन समारोह

लखनऊ, संवाददाता। इलेक्ट्रिकल एवं मकैनिकल कान्ट्रक्टर्स एसोसिएशन उ0प्र0 के स्वागत एवं होली मिलन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता विद्युत यॉत्रिक इ. यू.के सिंह ने कहा कि वैसे तो हर पर्व हमें कुछ न कुछ संदेश देते है लेकिन होली एक ऐसा पर्व है जो बुराई को धोने और मेल मिलाप का सुअवसर प्रदान करता है। एसोसिएशसन सरकार हित में कार्य करें यही मेरी व्यक्तिगत कामना है। समारोह को सम्बोधित करते हुए एसोएिशन के संरक्षक रंजीत सिंह ने कहा कि यह एसोसिएशन सदस्यों के साथ सरकार के हित में कार्य करने के लिए बनाया गया है। हमारा प्रयास होगा कि हर सदस्य की जायज बॉतों को अधिकारियों के समक्ष रखकर उसका हल निकाला जाए। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर सिह ने अपने सम्बोधन में कहा कि इलेक्ट्रिकल एवं मकैनिकल कान्ट्रक्टर्स एसोसिएशन उ.प्र. के स्वागत एवं होली मिलन समारोह के इस पावन अवसर पर आप का हार्दिक अभिनंदन एवं वंदन है। एसोसिएशन के स्थापना का मुख्य उद्देय सम्मानित सदस्यों एवं उच्चाधिकारियों के मध्य आपसी समान्यजस शौहर्दपूर्ण वातावरण स्थापित करते हुए अपनी बात सम्मानित उच्चाधिकारियोंध्अधिनस्थों के समक्ष रखना है। महामंत्री गिरजा प्रसाद यादव ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि एसोसिएशन का निरन्तर यह प्रयास हो कि अपनी बॉत एवं समास्याएं तर्क संगत नियमानुसार ही रखी जाए। हमारे एसोसिएशन का यह प्रसास होगा कि आपके मान सम्मान के अनुरूप ही हमारे एसोसिएशन के पदाधिकारी अपनी समस्याओं को आपके समक्ष रखते हुए रखते हुए निस्तारण कराया जाएगा। महामंत्री के.के. शुक्ला ने कहा कि हमारे सदस्य हर स्तर पर राजकीय कार्यो को सरकार की मंशानुसार समय पर सम्पादित करने का पूर्ण दायित्व निभायेगें। हमारा एसासिएशन एवं प्रत्येक सदस्य अनुशासन एवं स्वस्थ वातावरण स्थापित करने के लिए कटिबद्ध है। लोक निर्माण विभाग प्रगाण राष्ट्रीय मार्ग खण्ड कार्यालय प्रेरणा सदन के समक्ष आयोजित इलेक्ट्रिकल एवं मकैनिकल कान्ट्रक्टर्स एसोसिएशन उ.प्र. के स्वागत एवं होली मिलन समारोह में अतिथि गणों का स्वागत करते हुए फूलों की पखुण्डियों की होली खेलकर गुलाल का टीका किया गया। अतिथि गणों स्मृति चिन्ह एवं शाल पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता 30 वॉ वृत इं. अभय कुमार गुप्ता, अधीक्षण अभियंता 17 वॉ वृत्त इं. आर.एम. श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता टीसी सर्किल लखनऊ इं. शिवशंकर सिंह, अधीक्षण अभियंता एस.के. सिंह, अधिषासी अभियंता राकेश कुमार, मुनेश्वर सिंह, आदित्य कुमार, परितोष कुमार, इंदिरा भवन जवाहर भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय, महामंत्री रामकुमार धानुक, सुनील यादव, देवेन्द्र यादव,शिवकुमार यादव, सुभाष मिश्रा, रामराज दुबे, हरिकेश प्रसाद,असफाक हुसैन, मायादेवी, रामहेत यादव सहित विभाग कार्मिक संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। समारोह में एसोसिएशन के पदाधिकारी पीयूष चोला, खुशाल चन्द्र अग्रवाल प्रदेश उपाध्यक्ष, संजीव कुमार जैन कोषाध्यक्ष, हुकुम सिंह, महेश दुबे सचिव, संजय तिवारी संगठन मंत्री, अशोक कुमार पाण्डेय प्रदेश प्रचार मंत्री वीरेन्द्र सिंह यादव, राम प्रताप सहित समस्त इलेक्ट्रिकल एवं मकैनिकल कान्ट्रक्टर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राम राज दुबे संरक्षक कर्मचारी संघ द्वारा किया गया।

लखनऊ में कांग्रेस के तीन अध्यक्ष, पीडीए फार्मूले पर फोकस

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस ने जिला और महानगर अध्यक्षों के नामों का ऐलान कर दिया है। राजधानी लखनऊ में रुद्रदमन सिंह को ग्रामीण अध्यक्ष, अमित श्रीवास्तव त्यागी को तीसरी बार महानगर अध्यक्ष और डॉ. शहजाद आलम को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष बनाया गया है। इस बार पार्टी ने पीडीए (पिछड़ा–दलित–अल्पसंख्यक) और पिछड़ा–दलित–आगड़ा समीकरण को ध्यान में रखते हुए संगठन तैयार किया है। राजधानी लखनऊ में तीन अध्यक्ष बनाए गए हैं। अमित श्रीवास्तव त्यागी को तीसरी बार महानगर अध्यक्ष, डॉ. शहजाद आलम को दूसरी बार शहर कांग्रेस अध्यक्ष और रुद्रदमन सिंह बबलू को ग्रामीण अध्यक्ष बनाया गया है। आप छोड़ फिर कांग्रेस में, तीसरी बार अध्यक्षपेशे से अधिवक्ता अमित श्रीवास्तव त्यागी 27 साल से कांग्रेस से जुड़े हैं। 2013 में पहली बार शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने। 2020 में कांग्रेस छोड़कर आप में गए, 2022 में आप के टिकट पर लखनऊ उत्तर से चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। फरवरी 2023 में कांग्रेस में वापसी की और अब तीसरी बार महानगर अध्यक्ष बने हैं।

दाता मात्र किसान

(कुण्डलिया)

चूल्हे जलने हैं लगे,महक उठे पकवान।
वासन्तिक उन्माद है,हर्षित हुआ किसान।
हर्षित हुआ किसान,बात हँसियों की सुनकर।
देख रहा खलिहान, खुशी के सपने बुनकर।
देखो प्रिये प्रदीप, द्वार लगते हैं दूल्हे।
हरि का समझ प्रसाद,पकाते हैं सब चूल्हे।।

यश की चौखट फाँद कर,करते हैं जो दान।
हरि समान वह श्रेष्ठ हैं,रखें सभी का ध्यान।
रखे सभी का ध्यान, लगाकर हिस्सा सबका।
बाँट रहे आनाज, न देखें अबका–तबका।
कहने लगे प्रदीप, न कहना कुछ भी भ्रमवश।
दाता मात्र किसान , शेष चाहते नाम– यश।।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन की शुरुआत भगवान कृष्ण के भजन से

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर गौशाला, नदी रोड स्थित श्री मदनानंद वानप्रस्थ आश्रम में सात दिवसीय श्री मद्भागवत कथा के पांचवें दिन की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण के भजनों से हुई ।श्री वृंदावन से पधारे कथा व्यास आचार्य श्री धर्मेन्द्र उपाध्याय जी महाराज ने पांचवें दिन भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी तथा गोवर्धन पूजा की कथा श्रद्धालुओं को सुनाई। आचार्य धर्मेंद्र उपाध्याय ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण की लीलाएं मानव जीवन के लिए प्रेरणादायक हैं। भगवान कृष्ण ने बचपन में अनेक लीलाएं की। बाल कृष्ण सभी का मन मोह लिया करते थे। नटखट स्वभाव के चलते यशोदा मां के पास उनकी हर रोज शिकायत आती थी। मां उन्हें कहती थी कि

प्रतिदिन तुम माखन चुरा के खाया करते हो, तो वह तुरंत मुंह खोलकर मां को दिखा दिया करते थे कि मैंने माखन नहीं खाया। कथा व्यास आचार्य धर्मेंद्र उपाध्याय जी महाराज ने कहा कि भगवान कृष्ण अपनी सखाओं और गोप–ग्वालों के साथ गोवर्धन पर्वत पर गए थे। वहां पर गोपिकाएं छप्पन प्रकार का भोजन रखकर नाच गाने के साथ उत्सव मना रही थीं। कृष्ण के पूछने पर उन्होंने बताया कि आज के ही दिन देवों के स्वामी इंद्र का पूजन होता है। इसे इंद्रोज यज्ञ कहते हैं। इससे प्रसन्न होकर इंद्र व्रज में वर्षा करते हैं, जिससे प्रचुर अन्न पैदा होता है। भगवान कृष्ण ने कहा कि इंद्र में क्या शक्ति है। उनसे अधिक शक्तिशाली तो हमारा गोवर्धन पर्वत है। इसके कारण ही वर्षा होती है, अतरू हमें इंद्र से बलवान गोवर्धन की पूजा करनी चाहिए। बहुत विवाद के बाद श्री कृष्ण की यह बात मानी गई और व्रज में गोवर्धन पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति के सागर में मंत्रमुग्ध दिखे। श्रीमद्भागवत कथा में दिनेश बंसल, सुशील शर्मा, दिपेंद्र मलिक, मोहित मलिक का विशेष योगदान रहा।

आदेश के बावजूद भी कार्यदायी संस्था लूमिनो इंडस्ट्रीज द्वारा विवादित भूमि से नहीं उखाड़ा गया पोल

प्रतापगढ़। शिकायतकर्ता देवेन्द्र कुमार यादव निवासी ग्राम खिदिरपुर कुण्डा द्वारा शिकायत की गई कि हथिगंवा पावर हाउस द्वारा पुराने विद्युत केबल को हटाकर नया केबिल बिछाने का कार्य कराया जा रहा है परन्तु पोल की तरफ से नया पोल न स्थापित कर शिकायतकर्ता के विवादित भूमि की तरफ नया पोल स्थापित कर दिया गया है, इस जमीन पर विवाद चल रहा है और माननीय न्यायालय सिविल जज सीनियर डिवीजन कुण्डा प्रतापगढ़ के स्थगन आदेश पारित किया गया है। प्रकरण का संज्ञान लेते हुये अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड कुण्डा संदीप कुमार मौर्या के द्वारा दिनांक 10 मार्च 2025 को कार्यदायी संस्था मेसर्स लूमिनो इंडस्ट्रीज लिमिटेड कोलकाता वेस्ट बंगाल को पोल जल्द से जल्द उखाड़ने के लिये निर्देशित किया गया था लेकिन अभी तक विवादित भूमि से कार्यदायी संस्था द्वारा पोल नही उखाड़ा गया है और विद्युत विभाग के आदेश की अवहेलना की जा रही है।

सम्पादकीय.....

स्वागत सुनीता

आखिरकार नासा की बहुचर्चित अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी बुच विलमोर के साथ सकुशल पृथ्वी पर आ ही गई। अमेरिका ही नहीं भारत में करोड़ों लोग उनकी फिक्र कर रहे थे। दरअसल, आठ दिन के मिशन के लिये बीते साल 6 जून को स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट के जरिये वे अमेरिका के स्पेस स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन स्पेसक्राफ्ट में तकनीकी खामी आने के कारण उनकी वापसी नौ महीने तक टलती रही। जिसको लेकर भारत व अमेरिका समेत पूरी दुनिया में चिंता व्यक्त की जाती रही है। देर आए दुरुस्त आए, इस देरी से सुनीता दुनिया में सबसे अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली महिला का रिकॉर्ड बना चुकी हैं। कुल 286 दिन स्पेस में रहने के दौरान सुनीता ने नौ सौ घंटे का शोधकार्य किया और डेढ़ सौ वैज्ञानिक प्रयोग किए। नासा ने विश्वास जताया है कि इस लंबे अनुभव का लाभ अमेरिका के इस दशक के अंत तक मंगल पर मनुष्य को उतारने के अभियान में मिलेगा। आमतौर पर यात्रियों के अंतरिक्ष में रुकने का समय अधिकतम छह माह होता है, लेकिन जब सुनीता को नौ महीने तक रुकना पड़ा है तो चिंता उनके शरीर में पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर होती रही है। आशंका है कि अधिक समय तक अंतरिक्ष में रहने से उनके शरीर पर काफी प्रतिकूल असर पड़ा होगा। जिसको सामान्य होने में काफी समय लग सकता है। दरअसल, अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण के न होने से भारहीनता की स्थिति पैदा होती है, जो शरीर की सामान्य प्रक्रिया पर प्रतिकूल असर डालती है। इस भारहीनता की स्थिति में हड्डियों व मांसपेशियों को कमजोर होने से बचाने के लिये करीब प्रतिदिन चार घंटे का व्यायाम करना पड़ता है। इस दौरान जहां खून का प्रवाह भी बाधित होता है, वहीं भारहीनता में मांसपेशियां व हड्डियां शिथिल हो जाती हैं, साथ ही रेडिएशन का भी खतरा बढ़ जाता है। यहां तक कि आंखों पर भी बुरा असर पड़ता है। जिसके चलते सुनीता व उनके सहयात्री को गहन चिकित्सा देखरेख में रखा जा रहा है। दरअसल, भारत में सुनीता विलियम्स को लेकर जो अनुराग व चिंता दिखी, उसकी वजह उनका भारत व भारतीय संस्कारों से जुड़ा रहना ही है। अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा के दौरान वे अंतरिक्ष में गीता–उपनिषद् व समोसे लेकर गई थीं। वे भारतीय खाने की मुरीद रही हैं। बहरहाल, उन्हें विश्वास था कि वे भविष्य में इतिहास रचेंगी। वर्ष 2012 में दिल्ली के नेशनल साइंस सेंटर में छात्रों से उन्होंने कहा भी था कि रिकॉर्ड टूटने के लिये ही बनते हैं। संयोग देखिए कि अपनी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा में वे सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने वाली पहली महिला बन गई हैं। भले ही सुनीता का जन्म अमेरिका के ओहायो प्रांत में हुआ हो लेकिन वे गुजरात के मेहसाणा स्थित पैतृक गांव झूलासन का दो बार दौरा कर चुकी हैं। अहमदाबाद से डॉक्टरी की पढ़ाई करके अमेरिका बसने वाले पिता दीपक पंडया उनकी प्रेरणा रहे हैं। उनकी मां के कैथोलिक धर्म अनुयायी होने के बावजूद पिता ने उन्हें भगवद्गीता आदि पौराणिक ग्रंथों से परिचित कराया। उन्हें सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाया। एक समय पशुओं से लगाव के कारण पशु चिकित्सक बनने का सपना देखने वाली सुनीता कालांतर अमेरिकी नौसेना में शामिल हुईं। बचपन से तैराकी का शौक रखने वाली सुनीता ने कई तैराकी प्रतियोगिताएं जीती। नौसेना पायलट के दौरान उन्होंने ढाई हजार घंटे तक की उड़ान भरी और अंतरिक्ष में जाने को लक्ष्य बनाया। ह्यूस्टन स्थित जॉनसन स्पेस सेंटर ने उन्हें अंतरिक्ष में जाने का सपना दिखाया। हालांकि, नासा ने उनके पहले आवेदन को खारिज कर दिया था। उन्होंने अंतरिक्ष यात्रा के सपने को पूरा करने के लिए नासा में आवेदन किया, लेकिन नासा ने पहली बार में इसे स्वीकार नहीं किया। फिर उन्होंने अंतरिक्ष में जाने के लिए ही 1995 में इंजीनियरिंग प्रबंधन में मास्टर डिग्री हासिल की। दुबारा नासा ने उनके आवेदन को स्वीकार कर लिया। कालांतर वर्ष 2006 में उन्हें अंतरिक्ष में जाने का पहला मौका मिला। वे भारतीय मूल की दूसरी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बनीं। निस्संदेह, धरती पर लौटने के बाद वातावरण में ढलने में उन्हें कुछ वक्त लगेगा। लेकिन वह एक उत्साही फाइटर हैं और जल्दी ही सामान्य जीवन जीने लगेंगी।

सुनीता-विल्मोर की वापसी विज्ञान की जीत

प्रेम शर्मा

हमारे ब्रह्मांड की उम्र 13.8 अरब वर्ष आंकी गयी है। लगभग 5 अरब साल पहले तैरती धूल और हीलियम व हाइड्रोजन गैसों से सूर्य बना और पृथ्वी तकरीबन 4.6 अरब साल पहले अस्तित्व में आई।

भारतीय समयानुसार तड़के 3 बजकर 27 मिनट पर फ्लोरिडा के समंदर में लैंडिंग कर स्पेसक्राफ्ट ड्रेगन के कैप्सूल ने जब 4 अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित लॉन्चिंग कराई, तो इतिहास रचा जा चुका था। कारण यह था कि इसमें दो यात्री ऐसे भी थे जो लगभग 9 माह पहले मिशन पर गये थे लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से उनका 8 दिनों का मुकाम बढ़ता चला गया था। पृथ्वी से औसतन लगभग 400 किलोमीटर ऊपर नितांत निर्जन व निर्वात, शून्य गुरुत्वाकर्षण, करोड़ों किलोमीटर तक अंतरिक्ष में पृथ्वी व उसके चंद्रमा के बगैर माइनस 121 डिग्री सेल्सियस से लेकर माइनस 157 डिग्री सेल्स. तापमान में सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर ये यात्री थे, जिन्होंने नयी–नयी तकनीकी दिक्कतों को अपने साहस, धैर्य और ज्ञान से परास्त करते हुए पृथ्वी पर वापसी कर खगोल विज्ञान के इतिहास में अपने नाम के अलग अध्याय लिख दिये हैं। सुनीता के प्रति भारतीयों का लगाव स्वाभाविक है क्योंकि उनकी जड़ें इसी देश की हैं, परन्तु इस मायने में उनका नाम ऊपर लिखा जायेगा कि वे पहली ऐसी यात्री बन गयी हैं जिन्होंने अंतरिक्ष की तीन बार यात्राएं कीं। इसके साथ ही वे उस क्लब में शामिल हो गयी हैं जिन्होंने 600 से ज्यादा दिन घने काले अंतरिक्ष में बिताये हैं जो अनंत है, अपार है, अबूझ व अल्पज्ञात भी। ऐसा ब्रह्मांड जिसमें एक बार खो जाने पर मनुष्य तो क्या एक तिनके का भी कभी पता न चले, वहां सुनीता–विल्मोर की जोड़ी ने न धैर्य खोया न हिम्मत और न ही अपना मानसिक संतुलन। वे वहां विभिन्न तरह के प्रयोग करते रहे लेकिन वक्त पर बस या ट्रेन न मिलने से भी विचलित हो जाने वाले सामान्यजन को इस बात का कभी अंदाजा नहीं हो सकता कि बार–बार रद्द होती वापसी से कोई भी व्यक्ति कितना विचलित हो सकता है। वह भी ऐसी जगह पर बैठा व्यक्ति जो जानता है कि इस सतत फैलते और एक–दूसरे के गुरुत्वाकर्षण से बंधकर परिक्रमा करते अंतरिक्ष में कुछ भी निश्चित नहीं है। कब कौन सा यात्री थोड़ी गलती होने पर छिटककर प्रति सेकंड 16 हजार किलोमीटर की रफ्तार से फेंक दिया जायेगा या कब कौन सा उल्का पिंड आकर टकरा जाये अथवा किस क्षण कोई ग्रह उस यात्री व स्पेस स्टेशन तो क्या पूरी पृथ्वी को ही अपने में विलीन कर दे। हमारे ब्रह्मांड की उम्र 13.8 अरब वर्ष आंकी गयी है। लगभग 5 अरब साल पहले तैरती धूल और हीलियम व हाइड्रोजन गैसों से सूर्य बना और पृथ्वी तकरीबन 4.6 अरब साल पहले अस्तित्व में आई। हमारे सौरमंडल में ज्यादातर ग्रहों व क्षुद्र ग्रहों से बने असंख्य स्पेस ऑब्जेक्टस बने हैं जो परस्पर टकरावों का प्रतिफल हैं। कोई भी वस्तु कब किससे आकर टकरा जाये, कहा नहीं जा सकता– ऐसे खतरे के बीच यह मनुष्य का साहस व ज्ञान ही है जो उन्हें विपरीत परिस्थितियों में टिके रहने का संकल्प प्रदान करता है। वैज्ञानिकों के साहस, बलिदान और जिज्ञासा ने ही विज्ञान को आज यहां तक पहुंचाया है। भारत में पिछले कुछ समय से वैज्ञानिक और तकनीकी कौतूहल नाम का तत्व खत्म हो रहा हैय या कहें कि खत्म किया गया है। ऐसे में ज्यादातर भारतीय दुनिया में हो रहे वैज्ञानिक व तकनीकी विकास से अनभिज्ञ हैं। सामान्य युवाओं और छात्रों को पूछिये कि सुनीता विलियम्स का क्या माजरा है, तो वे जवाब नहीं दे पाएंगे। न उन्हें शून्य गुरुत्वाकर्षण का पता है न अंतरिक्ष का रंग ज्ञात है। बिग बैंग थ्योरी और ब्लैक होल से अपरिचित वे यह भी नहीं जानते कि अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन क्या है और वह कितनी ऊंचाई पर कार्यरत है। उसका उद्देश्य क्या है और अब तक उसने क्या किया है। यही ज्ञान वैज्ञानिक तरक्की की दौड़ शुरू करने वाली वह रेखा है जिसमें तमाम विकसित देश एक–दूसरे के साथ होड़ लगा रहे हैं जबकि भारत ठीक विपरीत दिशा में भाग रहा है– अज्ञानता की तरफ। भारतीय संविधान में जिस श्साइंटिफिक टेंपरश यानी श्वैज्ञानिक चेतनाश की बात कही गयी थी और उसे विकसित करना सरकार का एक प्रमुख दायित्व तय किया गया था, वह आज पूर्णतरू अनुल्लेखनीय व अवांछित नीति–तत्व बनकर रह गया है। सियासत यदि सत्ता बनाये रखने के लिये देश को मध्ययुग की ओर ले जाये तो वहां केवल राजनेताओं द्वारा छवि निर्माण और विश्वगुरु होने का भ्रम ही शेष रह जाता है। बेहद मुश्किल मिशन में पड़े अंतरिक्ष यात्रियों को लाने के लिये अमेरिका के तमाम वैज्ञानिकों के साथ वहां के प्रमुख उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहां के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बचाव का काम अपने देश के नासा व स्पेसएक्स पर छोड़ रखा था। इसके बरक्स हम देखें तो श्रेय लेने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर वक्त तत्पर रहते हैं। यहां तक तो फिर भी ठीक है कि एक राजनेता होने के नाते वे लोगों को इस तरह से प्रभावित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जिस तरह से देश में अवैज्ञानिकता और अंधविश्वास को वे न केवल बढ़ावा देते हैं बल्कि वैसी वैचारिकता का नेतृत्व भी करते हैं। मौके का लाभ उठाकर मोदीजी ने तुरंत सुनीता को चिठ्ठी भी लिख दी जिसमें उन्होंने वापसी पर प्रसन्नता जताई है। ये वही मोदीजी हैं जिन्होंने कोरोना काल में सड़कों पर घिसटते करोड़ों गरीबों के परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं की और न ही खोज–खबर ली कि वे कितनी मुश्किलों से लौट रहे हैं। नाले की गैस से चाय बनाने, राडार से जहाजों को छिपाने, टर्बाइन से ऑक्सीजन व पानी को अलग करने की बातें करने वाला व्यक्ति जब ऐसी चिठ्ठी लिखे तो हंसी का पात्र ही बनता है। सुनीता की वापसी उस विज्ञान की जीत है जिससे दूर रहकर फिलहाल भारत मुस्लिम शासकों की कब्रें तथा मस्जिदों–दरगाहों के नीचे शिवलिंग ढूंढने में मग्न है।

मानवता ने जब धरती को छुआ

सर्वमित्रा सुरजन

कल्पना, सुनीता ये नाम सुंदर हैं और आम भारतीय घरों में प्रचलित भी। इन सामान्य से लगने वाले वाले नामों की दो लड़कियों ने भारत सहित पूरी दुनिया पर अनूठी छाप छोड़ी है। कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स इन दोनों की अंतरिक्ष यात्राएं समूचे अंतरिक्ष विज्ञान के लिए याद, सबक और मिसाल बन गईं। इनकी यात्राओं पर चर्चा करुंगी, लेकिन नाम का जिक्र इसलिए याद आया क्योंकि इस सदी में अनूठेपन के नाम पर अब काफी नए–नए तरह के नाम सुनने मिलते हैं, लोग अब अपने बच्चों का नाम रखने के लिए गूगल की मदद भी लेते हैं और ज्योतिष की सलाह भी। हालांकि शेक्सपियर तो सदियों पहले कह गए हैं कि नाम में क्या रखा है। गुलाब, गुलाब ही रहेगा, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारो। लेकिन भारतीय इस मामले में शेक्सपियर की बिल्कुल नहीं सुनते। बच्चों के नामों में नयापन और इतिहास के नामों में धर्म के मुताबिक बदलाव, यही इस वक्त का चलन है। आश्चर्य होता है यह देखकर कि दुनिया में कितने तरह के काम, प्रयोग, शोध हो रहे हैं। विज्ञान, चिकित्सा, खेल, कला, व्यापार जीवन के हर पहलू में बड़ी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। कारखानों, होटलों से लेकर आपरेशन थियेटर तक में रोबो से काम लिया जा रहा है। डीएनए का परीक्षण कर उसके बूते इंसान की आयु बढ़ाने, अपनी ही तरह का दूसरा इंसान पैदा करने, पैदा होने से पहले ही बीमारी का पता लगने पर इलाज करने जैसे कई आश्चर्यजनक काम किए जा रहे हैं। मानव अंगों के प्रत्यर्पण से एक इंसान की मौत के बाद उसे दूसरे इंसान में जिंदा रखा जा रहा है। छपी हुई मुद्रा के साथ आभासी मुद्रा का व्यापार हो रहा है। धरती, आकाश, पाताल हर जगह पहले इंसान की जिज्ञासा पहुंची, फिर इंसान ने खुद पहुंचने का रास्ता बना लिया। बुधवार सुबह ऐसे ही एक नए रास्ते को धरती के इंसानों ने देखा। जिसके दो राही खास थे बुच विल्मर और सुनीता विलियम्स।ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने–फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा। जैसे 9 महीने मां की कोख में रहने के बाद जब बच्चा जन्म लेता है, तो धीरे–धीरे कदम संभालना सीखता है। अनोखा संयोग है कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर 9 महीने उस धरती से दूर रहे, जो इंसानी जीवन की जननी है। बुधवार सुबह भारतीय समय के मुताबिक 3 बजकर 27 मिनट पर जब इन दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव, यानी कुल चार यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के समुद्र में डुबकी लगाई तो विज्ञान और मानवता दोनों ने नयी प्राणवायु पाई। पाठक जानते हैं कि केवल आठ दिनों के अंतरिक्ष सफर पर निकले सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर को तकनीकी खराबी के कारण 9 महीने से ज्यादा का वक्त अंतरिक्ष में बिताना पड़ा। इस दौरान उन्हें लाने की कोशिशें होती रहीं। आखिरकार उन्हें लेने एक दूसरा यान भेजा गया और फिर उनकी सकुशल वापसी हुई। भारत में इस दौरान सुनीता विलियम्स के रिश्तेदारों के घरों से लेकर देश में जगह–जगह पूजा पाठ हुए, उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हवन किए गए। भारतीय मूल की होने के कारण इतना लगाव स्वाभाविक है। इसी तरह जब कल्पना चावला भी अंतरिक्ष में गई थीं, तो उनके अमेरिकी नागरिक होने के बावजूद भारतीय इस बात को गर्व से कहते थे कि वे हरियाणा की हैं, यहीं पली बढ़ी, हालांकि बाद में वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गईं और फिर वहीं की नागरिक हो गईं। कल्पना चावला के अंतरिक्ष सफर का अंत दर्दनाक था, अंतिम क्षणों में उनका यान आग के गोले में तब्दील हो गया। हालांकि उनके असाधारण काम आज भी याद किए जाते हैं। सुनीता और कल्पना, अगर केवल इन दो नामों का जिक्र करें तो अभी बेशक अंतरिक्ष यात्री की पोशाक में सज्जित दो महिलाओं की शक्ल हमारी आंखों के सामने आएगी, लेकिन इसके साथ एक कड़वी सच्चाई यह है कि इन दो नामों के साथ–साथ, ऐसी सैकड़ों, लाखों लड़कियां हैं, जो ऐसे ही असाधारण काम करके अपने नामों को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं, लेकिन उनके सपनों की उड़ान के लिए कोई आकाश ही बचने नहीं दिया जाता। अगर किसी ने हिम्मत दिखाई भी तो सपने उसी तरह राख कर दिए जाते हैं, जैसे कल्पना चावला का यान राख बन गया था। सुनीता विलियम्स तो पहले से अमेरिका में थीं और कल्पना चावला बाद में वहां गईं, लेकिन भारत में रहकर क्या इन्हें ऐसे मौके मिल पाते, इस सवाल का जवाब सब जानते हैं। अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत में भी खूब काम हो रहा है, कई वैज्ञानिक इसरो में काम करती हैं, जिनके बारे में बताने के लिए अलग से महिला वैज्ञानिक लिखना पड़ता है। क्या कभी किसी पुरुष वैज्ञानिक का जिक्र हम इस तरह से करते हैं, यह भी सोचना चाहिए। बहरहाल, अलग–अलग क्षेत्रों में योग्यता और श्रेष्ठता के पैमाने पर बार–बार खुद को साबित करने के बावजूद महिलाओं को बड़ी मुश्किल से अवसर मिलते हैं और वह भी अपवाद के तौर पर। वर्ना समाज का आलम तो ऐसा है कि अब भी लड़की अपने पिता, भाई, पति या किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ घर से बाहर निकले तभी सुरक्षित मानी जाती है। जो लड़कियां सारी चुनौतियों को पार करके घर से बाहर निकल चुकी हैं, अपना कार्यक्षेत्र तय कर चुकी हैं, वहां उन्हें कितने तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है, इस पर लिखने बैठें तो अलग पोथी तैयार हो जाएगी। फिलहाल खुशी का दिन है कि सुनीता विलियम्स इतिहास रच कर वापस लौटीं, उन्हें लेने जो यात्री अंतरिक्ष में गए थे, उनमें रूस, जापान, अमेरिका के नागरिक थे। अपने अमेरिकी सहयोगी के साथ जब सुनीता लौटीं तो केवल भारत और अमेरिका नहीं पूरी दुनिया ने इस ऐतिहासिक क्षण की खुशियां मनाईं। धरती पर रहकर छोटी–छोटी बातों और स्वार्थों में इंसान उलझ कर पूरा जीवन व्यर्थ बिता देता है। उस वक्त ऐसी घटनाएं सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि कितना कुछ कर गुजरने की ताकत इंसान को हासिल है। जब अंतरिक्ष में इंसान पहुंचता है तो धरती की सीमाओं के साथ, उन बंधनों से भी मुक्त होता है, जो खुद इंसान ने अपने लिए बना लिए हैं। वहां पासपोर्ट की पहचान से परे सब केवल इंसान होते हैं, जो भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग करते हैं, नयी संभावनाओं को खटखटाते हैं। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर की सकुशल वापसी के लिए उन्हें लेने गए यात्रियों के अलावा एलन मस्क भी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने इस काम में अपना खास योगदान दिया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसमें उनका साथ दिया। हालांकि कुछ दिनों पहले जिस अंदाज में ट्रंप ने इन यात्रियों की वापसी का जिक्र किया था, उसकी काफी आलोचना हुई थी। खैर राजनीति से परे, यह काम उन्हें तारीफ का हकदार बनाता है। इधर भारत में भी तमाम दलों ने इस पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वापसी का स्वागत किया है। भाजपा के कुछ नेता भारत की बेटी सुनीता विलियम्स की वापसी पर खुशी जता रहे हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले भारत की एक और बेटी रंजनी श्रीनिवासन खुद निर्वासित होकर अमेरिका से भारत लौट आईं। कोलंबिया विवि में पीएचडी कर रही रंजनी श्रीनिवासन का वीजा अमेरिका ने इसलिए रद्द कर दिया, क्योंकि उन्होंने फिलीस्तीन के हक में आवाज उठाई थी। क्या भाजपा सरकार कभी रंजनी जैसी किसी बेटी के हक में भी कोई बात कहेगी।

हिंदू धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता फैलाने का राजनीतिक खेल

डॉ. अरुण मित्रा

हमारे देश में जहां विभिन्न मान्यताएं और परंपराएं एक साथ विद्यमान हैं, वहां तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। अंधविश्वास, अंध–प्रथाएं और रीति–रिवाज विकास के मार्ग में बाधा हैं। वैज्ञानिक सोच केवल विज्ञान का ज्ञान नहीं है, बल्कि यह घटनाओं का विश्लेषण करने का एक तर्कसंगत तरीका है और यह गहरी समझ की खोज है। इसलिए किसी भी समाज को प्रगति के लिए विज्ञान के प्रति जिज्ञासु, समावेशी और आत्मसात करने वाला होना जरूरी है। हमारे देश के संविधान में 1976 में 42वें संशोधन में मौलिक कर्तव्यों के अंतर्गत वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जोड़ा गया था, जिसमें कहा गया था कि श्भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने अंदर वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और जांच–पड़ताल तथा सुधार की भावना विकसित करे। पिछले कुछ वर्षों में राज्य द्वारा एक ऐसा आख्यान गढ़ा जा रहा है, जिसमें सवाल करने या विश्लेषण करने की प्रवृत्ति नहीं, बल्कि अंधविश्वास में जीने की प्रवृत्ति विकसित की जा रही है। अगर आधिकारिक आंकड़ों पर विश्वास किया जाये, तो प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान 65 करोड़ से अधिक लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान किया, बल्कि इसे पीया, बोतलों में भरा और दूसरों के लिए श्चरणामृतश के रूप में अपने साथ ले गये और अपने घरों और पड़ोस में लोगों को पिलाया। यह सब तब हुआ, जब सरकारी निकायों, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने चेतावनी दी थी कि यह पानी अत्यधिक प्रदूषित है और पीने की बात तो दूर, नहाने के लिए भी उपयुक्त नहीं है। बिहार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी इसी तरह की रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि बिहार में गंगा नदी का पानी ज्यादातर जगहों पर नहाने के लिए अनुपयुकेत है। लेकिन इन चेतावनियों के बावजूद लोग आस्था और दिव्य लाभ के नाम पर मल–मूत्र से प्रदूषित जल को मजे से पीते रहे। इससे जहां गंगा की सफाई के सरकारी दावों की पोल खुल गयी, वहीं यह भी सामने आया कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा फैलाये गये मिथकीय और अवैज्ञानिक विचारों से हमारा समाज कितना प्रभावित है। यह चिंता का विषय है कि लोग इतने अविवेकी और मूर्ख कैसे हो सकते हैं। यह जानना दिलचस्प है कि जब लोग कुंभ में डुबकी लगा रहे थे, तब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे, जिनकी सामाजिक–राजनीतिक मान्यताएं जगजाहिर हैं, ने गंगा नदी की सफाई पर सवाल उठाये और नदी में डुबकी लगाने से इनकार कर दिया। ठाकरे ने लोगों से आग्रह किया, श्अंधविश्वास से बाहर निकलो और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करो। उन्होंने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ से अपनी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर द्वारा लाये गये पवित्र जल को पीने से इनकार कर दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि हिंदू धर्म खतरे में है, क्योंकि यह सभी को शामिल करने वाला है और संवाद के जरिये आत्मसात करने के लिए तैयार है। लेकिन कुंभ मेले के बाद मुझे यह डर सताने लगा है कि हिंदू धर्म बहुत गहरे संकट में जा रहा है। मानव सभ्यता जल निकायों के इर्द–गिर्द विकसित हुई है जो उनके लिए जीवन का स्रोत थे। इसलिए लोग कृतज्ञता की अभिव्यक्ति के रूप में विभिन्न स्थानों पर जल निकायों को अलग–अलग रूपों में नमन करते थे। कुंभ मूल रूप से विभिन्न धर्मों के लोगों के लिए करुणा और त्याग का केंद्र था। भले ही समुद्र मंथन से संबंधित कुंभ का पौराणिक वर्णन है, लेकिन यह राजा हर्षवर्धन ही थे जिन्होंने नियमित रूप से त्रिवेणी में स्नान की प्रथा का आयोजन किया था। चीनी यात्री ह्वेनत्सांग ने इन आयोजनों का दस्तावेजीकरण किया और हर्षवर्धन की उदारता और भक्ति का वर्णन किया, जिन्होंने 606 से 647 ई. के बीच त्रिवेणी संगम पर हर पांच साल में एक बड़ी धार्मिक सभा का आयोजन किया जिसमें विभिन्न विचारों और धर्मों के लोग भाग लेते थे। उन्होंने गरीबों और धार्मिक संस्थानों को कपड़े और गहने सहित अपनी निजी संपत्ति दान कर दी। इस प्रकार यह आयोजन त्याग और करुणा का प्रतिबिंब था। लेकिन इस बार राज्य द्वारा श्महाकुंभश का इस्तेमाल अन्य धार्मिक समूहों, खास तौर पर मुसलमानों के खिलाफ मिथक और नफरत फैलाने के लिए किया गया है। कई मुसलमानों को कुंभ के दौरान अपनी दुकानें बंद करने के लिए कहा गया, जबकि ऐसी रिपोर्टें हैं कि उनमें से कई ने हिंदू तीर्थयात्रियों को जगह देने के लिए मस्जिदें खोलीं। इस प्रकार हिंदू दर्शन का सार जो वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की बात करता है, झूठा साबित हुआ है। हिंदू शब्द मूल रूप से प्राचीन काल में यूनानियों और फारसियों द्वारा सिंधु नदी (सिंधु नदी) के पार की भूमि और लोगों को संदर्भित करता था। ऐसा कहा जाता है कि फारसी लोग श्सश का उच्चारण करने में असमर्थ थे, इसलिए उन्होंने इसे श्हश के रूप में बोला। इस प्रकार हिंदू शब्द सिंधु नदी के नाम श्सिंधुश का फारसीकृत संस्करण है। हिंदू धर्म शब्द 19वीं शताब्दी में ही आम इस्तेमाल में आया, जिसका इस्तेमाल शुरू में बाहरी लोगों द्वारा हिंदुओं के श्वादश का वर्णन करने के लिए किया गया और अंततः हिंदुओं द्वारा खुद को मुसलमानों और अन्य लोगों से अलग करने के लिए किया गया।

मृत्यु के शैय्या पर यह अंतिम क्षण है

मृत्यु के शैय्या पर यह अंतिम क्षण है!
शांत है अब दिल दिमाग मन मेरा अब ना कोई उलझन हैं!
सुख शान्ति भंग कर बीताया जीवन अपना!
अब किसी को खुश करने का ना संघर्ष है ना
रिश्ते नाते सगे, सम्बन्धित संसार के भी कर्ज बोझ से भी मुक्त है
जो कुछ पाया था ! निकलना है शरीर को भी छोड़कर!
मंजिल है करीब सकून का चलना है मृत्यु के पथ पर!
थक गए हर किरदार निभाते निभाते
अब सो रहा शान्ति भर पल मृत्यु के गोद में
मृत्यु के शैय्या पर यह अंतिम क्षण है।

रुद्र प्रताप चतुर्वेदी
आजमगढ़

जब बात नीरज पांडेय की आती है तो राइटिंग ही सब कुछ है – चित्रांगदा सिंह

नवंबर 2022 में नेटफ्लिक्स पर एक बहुत शानदार सीरीज खाकी – द बिहार चौप्टर रिलीज हुई थी जिसके बाद से ऑडियंस कुछ उसी तरह का देखने को उत्सुक थी अब आखिरकार दर्शकों का ये इंतजार खत्म हो गया है क्यूंकि नेटफ्लिक्स पर 20 मार्च को रिलीज हो चुकी है श्खाकी – द बंगाल चौप्टर , जिसमें आईपीएस अधिकारी अर्जुन मैत्रा और उनके द्वारा गैंगेस्टरों के खात्मे के साथ– साथ राजनितिक उथल–पुथल की कहानी को दिखाया गया है। सीरीज को डायरेक्ट देबातमा मंडल और तुषार कान्ति राय ने किया और इसकी क्रिएटर हैं नीरज पांडे। इसमें जीत , प्रोसेनजीत चौटर्जी, ऋत्विक भौमिक, आदिल जफर खान और चित्रांगदा सिंह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। इसी के चलते सीरीज के लीड एक्टर्स जीत, ऋत्विक भौमिक, आदिल जफर खान और चित्रांगदा सिंह ने खास बातचीत की।

चित्रांगदा सिंह

1– क्या है आपका किरदार और कैसे बनी आपका इसका हिस्सा?

विनीत कुमार सिंह ने अपने प्रशंसकों का अटूट समर्थन के लिए आभार जताया, कही अपने दिल की बात

विनीत कुमार सिंह ने अपने प्रशंसकों का अटूट समर्थन के लिए आभार जताया, कही अपने दिल की बात

मैं बहुत खुश हूँ कि मैं इस सीरीज का हिस्सा हूँ और डायरेक्टर नीरज ने ये सोचा कि मैं बिलकुल सही रहूंगी इस किरदार के लिए। मैं निभा रही हूँ एक पॉलिटिशियन का किरदार। दरअसल मैं काफी समय से नीरज के साथ काम करना चाहती थी और उनको मैंने एक बार मैसेज भी किया था कि मैं आपके साथ काम करना चाहती हूँ फिर एक महीने के अंदर ही उन्होंने मुझे मैसेज किया कि एक प्रोजेक्ट है जिसे डायरेक्ट मैं नहीं कर रहा लेकिन मेरा ही प्रोजेक्ट है। तो जब मैंने स्क्रिप्ट देखी तो मुझे बहुत एक्ससिटेमेंट हुई क्यूंकि जितना भी मैंने काम आज तक किया है ये सबसे अलग है। बहुत खुश हूँ और वैसे भी इस सीरीज के साथ मेरा ओटीटी डेब्यू भी हुआ है क्यूंकि इससे पहले मैंने कोई सीरीज नहीं करी थी।

2– आपने पहली बार एक राजनेता का किरदार निभाया, तो इसकी तैयारी कैसे की?

तैयारी तो पहले यही थी कि डायरेक्टर का क्या नजरिया था, किस तरह की नेता है, कैसा परफॉरमेंस चाहिए था, इंटरनल और इमोशनली क्या चल रहा है उसकी लाइफ में, ये बहुत जरूरी था। तो एक प्रजेंस होती है जिस पर काम किया जाता है, उसकी क्या एनर्जी है किरदार की। बहुत सारे लेयर होते है राइटिंग में, जो मदद करता है और वही एक किरदार को निखारता है। जब बात नीरज पांडेय की आती है तो राइटिंग ही सब कुछ है और सच कहूं तो राइटिंग ही इस सीरीज की बैक बोन है।

3– क्या आपको पॉलिटिक्स में इंटरेस्ट है?

हां जी, मुझे पॉलिटिक्स खासकर अपने देश की पॉलिटिक्स में बहुत इंटरेस्ट है और मुझे लगता है कि हमारे देश के हर नागरिक को पोलिटिकली जागरूक होना चाहिए।

4– इस सीरीज में काम करने से आपके राजनीतिक दृष्टिकोण में कोई बदलाव आया है?

हर चीज की एक डार्क साइड होती है और उसी चीज को इस सीरीज में बहुत अच्छे तरीके से दिखाया गया है। तो उसे देखने के बाद आप समझ सकते हैं कि कहां क्या झूठ है। तो कह सकते हैं कि कुछ समझ बड़ी है मेरी।

1– कैसा किरदार निभा रहे हैं आप?

मैं इस सीरीज में अर्जुन मैत्रा हूँ और एक सच्चा पुलिस अफसर जैसे होता है वैसा ही वो है। जैसे राइटर ने लिखा और डायरेक्टर ने बताया मैंने बस उसे वैसा ही निभाने की कोशिश की है और तो मुझे लगता है किस्मत की वजह से इसका हिस्सा बना क्योंकि मुझे किस्मत पर बहुत विश्वास है।

2– एक्शन और इमोशनल सीन्स को निभाना कितना चुनौतीपूर्ण रहा?

बहुत अच्छा था, शुरुआत के दिनों में गर्मी बहुत ज़्यादा थी और उसमें शूट करने में तो और मजा आ गया क्योंकि पसीने निकल गए शूट करने में। अब्बास भाई जो एक्शन के मास्टर हैं उन्होंने ने ही पूरी कोरिओग्राफी की है तो करने में बहुत मजा आया। एक एक्टर के तौर पर तो ये एक बहुत बड़ी ब्लेसिंग है कि आप इतना एक्शन करते हो सारी मारधाड़ करते हो और फिर आप वापिस घर निकल जाते हो और उसके कोई कंसीक्वेंस भी नहीं है। तो ये बहुत मज़्जेदार था।

3– जब भी कोई सीरीज या फिल्म आती है तो लोग उसे ही सच मानने लगते हैं, आपको क्या लगता है कि खाकी को देखने के बाद लोगों का क्या नजरिया होगा? अगर देखते वक्त कोई भी सीन आपको आपने से जुड़ा लगने लगे तो मेकर्स का काम तो समझो बन गया और यही तो हम सब चाहते हैं। अगर हम ऑडियंस को कहानी में घुसा सकें , कहानी का हिस्सा बना लें , इसमें इन्वॉल्व हो जाएं तो इससे खूबसूरत बात तो कोई और हो ही नहीं सकती और हर मेकर का यही सपना होता है।

4– शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ जो आपका यादगार पल बन गया?

मेरे लिए तो पूरी जर्नी ही यादगार बन गई है , मैंने बहुत एन्जॉय किया है खाकी की शूटिंग को। ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन सबकी केमिस्ट्री बहुत शानदार थी जो आपको स्क्रीन पर जरूर दिखेगी।

5– क्या आपको लगता है कि ऐसी कहानियां समाज में जागरूकता लाने में मदद कर सकती हैं?

ये तो एक फिक्शन सीरीज है और आप कैसे इन चीजों को ले रहें हैं उसपर निर्भर करता है। वैसे भी डिस्क्लेमर जाता है इसका कि ये फिक्शन है। इसलिए इसको फिक्शन की तरह ही देखना चाहिए। इसकी अच्छी बातें अगर आप घर ले जा जाते हैं तो अच्छी बात है और बुरी बातों को वैसे ही दफन कर दें जैसे किरदार को दफन करते हैं।

ऋत्विक भौमिक

1– कैसा है आपका किरदार और कैसे जुड़े आप खाकी के साथ?

मेरा तो सेम ही प्रोसेस था हमेशा की तरह मैंने ऑडिशन दिए और फिर सेलेक्ट हुआ। और ऑडिशन देना मुझे अच्छा भी लगता है क्यूंकि आप प्रोजेक्ट करें या ना करें लेकिन ऑडिशन से आपकी एक्टिंग की प्रेक्टिस जरूर होती रहती है और अगर ऑडिशन देते– देते अगर सगोर जैसा किरदार मिल जाए तो वो तो सोने पर सुहागा हो जाता है। जब मैंने इसकी स्क्रिप्ट पढ़ी ना तो सबसे पहला सवाल मेरे मन में ये आया कि रणजीत का किरदार कौन निभा रहा है क्यूंकि रंजीत और सगोर की जो दोस्ती लिखी गई है इस शो में , वो दोस्ती अगर हम सही तरिके से स्क्रीन पर नहीं उतार पाए तो हमारे किरदार काम नहीं कर पाएंगे। तो साइन करने के कुछ ही दिनों बाद मेरी मुलाकात हुई आदिल से जो रंजीत प्ले कर रहे है , मीटिंग के 10 मिंट बाद ही मुझे पता चल गया था कि हम दोनों की बहुत बनेगी और किरदार अच्छे से निकल कर बाहर आएँगे।

2– आपने कहा कि आप सागोर बनकर गए थे कोलकाता तो वापिस किस रूप में आए?

हम ऋत्विक और आदिल बनकर ही लौटे थे क्योंकि कोलकाता जाने से पहले हमने सागोर और रंजीत बनना सीख लिया था। लेकिन ईमानदारी से कहूं तो ये थोड़ा इम्पैक्टफुल तो था , क्यूंकि जिस तरह के ये किरदार हैं दोनों के दोनों रंजीत और सगोर , जिस तरह की सिचुएशन में वो हैं जो उनका माइंड सेट है , उस चीज के बारे में अगर आप रोज सोचे तो और कई महीने वही बनकर रहें तो कहीं ना कहीं थोड़ा इफेक्ट तो होता ही है। लेकिन एक बात ये भी है कि एक ही किरदार हम सारि जिंदगी नहीं निभाते सिवाए अपने। हम ऋत्विक और आदिल सारी जिंदगी रहेंगे लेकिन रंजीत और सागोर कुछ महीनों के लिए ही थे। फिर कोई और किरदार आता है तो किरदार से किरदार जम्प करते –करते हम पिछले वाले किरदार को तो छोड़ ही जाते हैं लेकिन कुछ न कुछ असर तो रह ही जाता है मगर उम्मीद करते हैं कि हम अच्छे रंग ही लेकर निकले उनमें से। और शूट के दौरान उनके साथ हुआ है जो उन्होंने किया है वो शो के साथ ही खत्म हो जाए।

1– कैसा है आपका किरदार और कैसे जुड़े आप खाकी के साथ ?

मैं नीरज सर के साथ पहले भी काम कर चूका हूँ और ये उन्ही का विश्वास था जो मैं इस सीरीज का हिस्सा बना और इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूँ। जैसा कि ऋत्विक ने बताया वैसा ही हुआ था ऋत्विक मेरे पहले को–एक्टर थे जिनसे मैं मिला था और मेरी भी मीटिंग से पहले वही फीलिंग थी क्युकी हमारे किरदार ही ऐसे लिखे गए थे। लेकिन मैं खुश हूँ कि ऋत्विक वो किरदार निभा रहे है , हमने साथ में कई वर्कशॉप की।हाथ में ही किरदारों को निखारा , सारा प्रोसेस बहुत ही शानदार था। ऐसा हो गया था कि कोलकाता जाने से पहले हम लोग रंजीत और सगोर बन चुके थे।

2– शूटिंग के दौरान कुछ ऐसा हुआ जो आपका यादगार पल बन गया?

पूरा सफर यादगार। मैं तो रात को सोने से पहले बैठकर सोचता हूँ कि शूटिंग के टाइम इस दिन ये हो रहा था। शूटिंग के दौरान कोलकाता की हम वो जगहों पर गए जिनको कभी देखा ही नहीं था वो एक्सपीरियंस बहुत अच्छा रहा था। शानदार को– एक्टर्स के साथ काम एक्सपीरियंस भी बहुत ज़्यादा अच्छा था। ये सारी यादें बहुत अच्छी हैं। इतना ज़्यादा काम मैंने किया नहीं है लेकिन जितना किया है ये उनमें से सबसे अच्छा एक्सपीरियंस रहा।

कृष्णा काली मंदिर नतमस्तक हुए जाह्नवी–अजय, भगवान की पूजा–अर्चना में लीन दिखे स्टार्स

जाह्नवी कपूर की भगवान में अटूट आस्था है। वह जहां हर साल बर्थडे पर तिरुपति जाती हैं। वहीं अक्सर जाह्नवी को अलग–अलग मंदिर में नतमस्तक होते देखा गया। हाल ही में जाह्नवी अजय देवगन संग मुंबई में स्थित कृष्णा काली मंदिर के दर्शन के लिए पहुंची। यह भव्य मंदिर व्यवसायी भारत मेहरा द्वारा बनवाया गया है। जाह्नवी और अजय दोनों ने मंदिर में पूजा–अर्चना की और भगवान का आशीर्वाद लिया। उनकी इस धार्मिक यात्रा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जहां प्रशंसक उनकी आस्था की सराहना कर रहे हैं। लुक की बात करें तो जाह्नवी व्हाइट सूट सलवार में प्यारी दिखीं। इस दौरान एक्ट्रेस नो मेकअप लुक में थी। उन्होंने आंखों पर ब्लैक शेड्स लगा रखे थे। वहीं अजय देवगन व्हाइट टी–शर्ट और ट्राउजर में कूल दिखे। इस दौरान अजय ने गले में रुद्राक्ष की माला पहनी थी। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन को आखिरी बार रोहित शेट्टी की 2024 में रिलीज होने वाली फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। वहीं जाह्नवी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारीश्में दिखाई देंगे, जिसमें वरुण धवन भी हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर को रिलीज होगी।

आवाज की वजह से रिजेक्शन झेलने वाली रानी मुखर्जी ने इंडस्ट्री में बनाई अलग पहचान, आज मना रहीं 47वां जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी आज यानी की 21 मार्च को अपना 47वां जन्मदिन मना रही हैं। अपनी शानदार एक्टिंग, आवाज और खूबसूरती से वह सालों से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। रानी मुखर्जी ने अपने फिल्मी करियर में एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इनमें से कुछ फिल्मों ने बड़े सामाजिक संदेश दिए हैं, तो कई कमर्शियल मसाला फिल्मों से अलग रहीं। रानी मुखर्जी उन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिनकी अधिकतर फिल्में हिट साबित हुई हैं। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड के कई बड़े कलाकारों के साथ काम किया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर रानी मुखर्जी के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में....

जन्म और परिवार : मुंबई के महाराष्ट्र में 21 मार्च 1978 को रानी मुखर्जी का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम राम मुखर्जी और मां का नाम कृष्णा मुखर्जी है। वहीं फेमस डायरेक्टर अयान मुखर्जी और एक्ट्रेस काजोल भी रानी की कजिन हैं। अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा से शादी की है और इनकी एक बेटी भी है।

आवाज बनी थी परेशानी का सबब : बता दें कि साल 1996 में रानी मुखर्जी ने बंगाली फिल्म शबिएर फूलश से अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की थी। वहीं इसी साल उन्होंने फिल्म श्राजा की आएगी बारातश से बॉलीवुड में डेब्यु किया था। भले ही आज के समय में लोगों को रानी मुखर्जी की आवाज बहुत पसंद आती हो, लेकिन एक समय पर इंडस्ट्री में खुद को स्थापित करने में उनकी आवाज ही सबसे ज्यादा परेशानी का सबब बनी थी। दरअसल, रानी मुखर्जी की आवाज के कारण शुरूआत में फिल्म निर्माता उनको रिजेक्ट कर देते थे। तो वहीं फिल्म श्गुलामश में आमिर खान, निर्देशक विक्रम भट्ट और निर्माता मुकेश भट्ट को एक्ट्रेस की आवाज पसंद नहीं आई थी, जिस कारण उनके किरदार के लिए आवाज डब करवाई गई थी।

फिल्मी करियर ने पकड़ी रफ्तार : साल 1998 में रिलीज हुई फिल्म श्कुछ कुछ होता हैश रानी मुखर्जी के करियर की टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। लेकिन इस फिल्म के लिए पहले ट्विंकल खन्ना को अप्रोच किया गया था, लेकिन उनके द्वारा मना किए जाने पर यह फिल्म रानी मुखर्जी को मिली। जिसके बाद रानी मुखर्जी के फिल्मी करियर ने रफ्तार पकड़ ली थी।

सलीम खान ने ऑफर की थी ये फिल्म : रानी मुखर्जी जब महज 10 साल की थीं, तो उस दौरान बॉलीवुड के फेमस राइटर सलीम खान ने उनको फिल्म ऑफर की थी। तब रानी के पिता राम मुखर्जी ने यह कहकर मनाकर दिया था कि वह अभी बहुत छोटी हैं। बता दें कि इस फिल्म का नाम श्आ गले लग जाश था, जोकि साल 1994 में रिलीज हुई थी।

फेमस फिल्में : रानी मुखर्जी ने राजा की आएगी बारात, गुलाम, कुछ कुछ होता है, मुझसे दोस्ती करोगे, साथिया, चलते चलते, हेलो ब्रदर, बिछू, चोरी चोरी चुपके चुपके, नायक, कभी अलविदा न कहना, बाबुल, तलाश, एल ओ सी कारगिल, युवा, हम तुम, वीर–ज़ारा, ब्लैक, बंटी और बबली, पहेली, मर्दानी, हिचकी और मर्दानी 2 आदि फिल्मों में काम किया है।

लोगों ने धनश्री वर्मा के नए गाने `देखा जी देखा मैंने' को उनकी निजी जिंदगी से जोड़ा

> धनश्री का यह वीडियो उस दिन रिलीज हुआ जिस दिन उनका तलाक फाइनल हुआ, इसलिए कुछ लोग इसकी टाइमिंग पर सवाल उठा रहे हैं तो कुछ इसे उनके और चहल के रिश्ते की हकीकत बता रहे हैं। धनश्री वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने नए म्यूजिक वीडियो 'देखा जी देखा मैंने' के रिलीज की घोषणा की।

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा आधिकारिक रूप से अलग हो चुके हैं। 20 मार्च को बांद्रा फैमिली कोर्ट में उनके तलाक को अंतिम रूप दिया गया। इस बीच धनश्री का एक नया म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ है, जिसमें पति की अय्याशी और घरेलू हिंसा जैसे मुद्दों को दिखाया गया है। धनश्री का यह वीडियो उस दिन रिलीज हुआ जिस दिन उनका तलाक फाइनल हुआ, इसलिए कुछ लोग इसकी टाइमिंग पर सवाल उठा रहे हैं तो कुछ इसे उनके और चहल के रिश्ते की हकीकत बता रहे हैं। धनश्री वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने नए म्यूजिक वीडियो श्देखा जी देखा मैंनेश के रिलीज की घोषणा की। रिलीज होते ही गाना टॉप ट्रेंड में आ गया। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में पति की अय्याशी, बेवफाई समेत घरेलू हिंसा और टॉक्सिक रिलेशनशिप के मुद्दे को दिखाया गया। आपको बता दें कि इस वीडियो में पाताल लोक एक्टर इश्वाक सिंह भी हैं, जो धनश्री के पति का किरदार निभा रहे हैं।

देखा जी देखा मैंने पर लोगों के नए रिएक्शन

धनश्री वर्मा के नए गाने को लोग उनकी निजी जिंदगी से जोड़ रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट में लिखा, श्हमारे देश में क्रिकेट का क्रेज बहुत ज्यादा है, उन्हें नहीं पता कि असल में क्या हुआ और युजी को पहले ही दूसरी लड़कियों के साथ घूमते हुए देखा जा चुका है और लोग अभी भी धनश्री पर आरोप लगा रहे हैं और उन्हें बदनाम कर रहे हैं। एक अन्य ने लिखा, लोग हमेशा महिलाओं को ही क्यों दोषी ठहराते हैं जबकि सच्चाई यह है कि कोई नहीं जानता कि गलत एंगल क्या है और सही एंगल क्या है। कुछ लोगों ने गाने के रिलीज के दिन पर भी सवाल उठाए। एक ने कमेंट किया, श्पीआर टीम का क्या कमाल है, कोर्ट ने तलाक और धमाका फाइनल कर दिया – गाना एक ही दिन रिलीज हो गया! पीआर का कमाल!श एक अन्य ने लिखा, श्क्या दिन चुना है, गाना रिलीज करने के लिए एकदम सही समय है।

चहल और वर्मा का तलाक

बॉम्बे हाईकोर्ट ने छह महीने की कूलिंग–ऑफ अवधि को माफ कर दिया था और फैमिली कोर्ट को 20 मार्च, 2025 तक सेलेब्स की तलाक की कार्यवाही को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया था। कार्यवाही के बाद, युजवेंद्र चहल के वकील नितिन कुमार गुप्ता ने एएनआई से पुष्टि की कि अदालत ने सेलेब्स को तलाक दे दिया है। वकील ने कहा, अदालत ने दोनों पक्षों की संयुक्त याचिका को स्वीकार कर लिया है। पक्ष अब पति–पत्नी नहीं हैं। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के अनुसार, चहल धनश्री वर्मा को गुजारा भत्ता के रूप में 4.75 करोड़ रुपये देने वाले हैं। अनजान लोगों के लिए, चहल और धनश्री ने 2020 में एक निजी समारोह में शादी की थी। हालांकि, फरवरी 2025 में तलाक के लिए अर्जी देने से पहले, वे आपसी सहमति से दो साल तक अलग–अलग रहे।

इन 4 नेचुरल चीजों को मिलाकर बनाएं एंटी एजिंग फेस मास्क, बढ़ती उम्र में भी जवां दिखेगी स्किन

उम्र बढ़ने के साथ ही हमारी स्किन पर भी कई तरह के बदलाव आते हैं। यह बदलाव जैसे स्किन का ढीलापन, झुर्रियां, काले धब्बे और स्किन की अन्य समस्याएं होने लगती हैं। हालांकि मार्केट में आजकल कई महंगे–महंगे एंटी–एजिंग मौजूद होते हैं। लेकिन इनमें से अधिकतर प्रोडक्ट में केमिकल्स होते हैं। जिनका लंबे समय तक इस्तेमाल स्किन के लिए हानिकारक हो सकता है। लेकिन अगर आप इन महंगे प्रोडक्ट की जगह घरेलू उपायों की मदद लेते हैं, तो यह न सिर्फ सस्ते होते हैं, बल्कि इससे स्किन भी यंग नजर आती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप 4 घरेलू चीजों के इस्तेमाल से घर पर एक एंटी–एजिंग फेस मास्क बना सकते हैं। यह फेस मास्क हमारी स्किन को जवां और ग्लोइंग बनाने में मदद करता है।

एंटी एजिंग की वजह

वैसे तो एंटी–एजिंग के कई कारण हो सकते हैं, जिसकी वजह से स्किन ढीली पड़ जाती है। सूरज की हानिकारक यूवी किरणें स्किन की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। इससे स्किन में उम्र बढ़ने के लक्षण जैसे सन डैमेज, डार्क स्पॉट्स, झुर्रियों और फाइन लाइन्स दिखाई देने लगते हैं। सही और हेल्दी डाइट, पर्याप्त नींद और व्यायाम भी नींद में एंटी–एजिंग में अहम भूमिका निभाते हैं। महिलाओं में मेनोपॉज के समय हार्मोनल बदलाव की वजह से स्किन में ढीलापन और सूखापन आ सकता है। मानसिक और शारीरिक तनाव का सीधा असर आपकी स्किन पर भी पड़ता है। स्किन को स्वस्थ बनाए रखने में पानी काफी महत्वपूर्ण होता है। अगर शरीर में पानी की कमी होती है, तो स्किन सूखी और थकी–थकी दिखाई देती है। जिसकी वजह से उम्र बढ़ने के लक्षण जल्दी दिखाई दे सकते हैं। इसके अलावा धूम्रपान करने से भी एन्वायरमेंटल स्ट्रेस से भी एंटी–एजिंग के साइन्स दिखने लगते हैं।

फ्लेक्स सीड

फ्लेक्स सीड्स को अलसी का बीज भी कहा जाता है। यह एंटी–एजिंग के लिए बेहतरीन प्राकृतिक सामग्री है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट्स, ओमेगा–3 फैटी एसिड और फाइबर पाए जाते हैं। जो स्किन को अंदर से पोषण देने के साथ जवां बनाए रखने में भी मदद करता है। फ्लेक्स सीड्स स्किन को हाइड्रेटेड रखने में भी सहायता करते हैं। साथ ही यह स्किन में प्राकृतिक चमक आती है। वहीं यह झुर्रियों और फाइन लाइन को भी कम करती है। साथ ही स्किन की इलास्टिसिटी भी बढ़ती है।

ऐसे करें इस्तेमाल

फ्लेक्स सीड्स को अच्छे से पीसकर पाउडर बना लें। आप फ्लेक्स सीड्स के पाउडर को अन्य सामग्री के साथ मिलाकर फेस मास्क के रूप में अप्लाई करें।

चावल का आटा

बता दें कि चावल का आटा हमारी स्किन के लिए भी काफी अच्छा माना जाता है। चावल के आटे में एंटी–एजिंग गुण पाए जाते हैं, जोकि स्किन को मुलायम बनाते हैं। चावल के आटे में पारा और सैपोनिन स्किन को टाइट करने में मदद करता है और उम्र बढ़ने के असर को धीमा करता है। स्किन के डेड सेल्स को हटाकर उसको साफ और निखरा हुआ बनाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

नियमित रूप से चावल के आटे को फेस मास्क में मिलाकर लगाने से स्किन पर नेचुरल चमक आती है। साथ ही यह स्किन को सॉफ्ट और स्मूद बनाता है।

विटामिन–ई

विटामिन ई एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट होता है। विटामिन ई उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करता है। यह स्किन को रिपेयरिंग और रीजेनरेशन को बढ़ावा देता है। विटामिन ई स्किन को हाइड्रेटेड रखता है और नमी को बनाए रखता है। विटामिन ई झुर्रियों को कम करने में मदद करता है। विटामिन ई आपकी स्किन को सूर्य के हानिकारक प्रभावों से बचाता है और त्वचा की रंगत को निखारता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

आप विटामिन ई कैप्सूल को सीधे तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं या फिर इसको मास्क में मिलाकर अप्लाई कर सकते हैं।

एलोवेरा

एलोवेरा को स्किन केयर के लिए अच्छा माना जाता है। एलोवेरा में मौजूद विटामिन ब और म स्किन को निखारने और उसको जवां बनाए रखने में सहायता करती है। इसमें एंटी–इफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। यह स्किन को राहत देती है और हाइड्रेटेड रखते हैं। साथ ही एलोवेरा स्किन के पोर्स को भी टाइट करता है और उसको ताजगी प्रदान करता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

बता दें कि ताजे एलोवेरा पत्ते से जेल निकालकर इसको सीधे अपने फेस पर अप्लाई करें। या फिर जेल को अन्य सामग्रियों के साथ मिलाकर मास्क तैयार करें।

सामग्री

फ्लेक्स सीड पाउडर– 1 चम्मच
चावल का आटा– 1 चम्मच
विटामिन–ई कैप्सूल– 1 या 2–3
ताजा एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

क्या करें

सबसे पहले एक कटोरी में फ्लेक्स सीड पाउडर और चावल का आटा मिक्स करें।

अब पानी डालकर पैन में गर्म करें और जब यह गाढ़ा हो जाए, तो इसको ठंडा कर लें।

इसमें विटामिन ई कैप्सूल और एलोवेरा जेल डालकर मिक्स करें।

इस पेस्ट को फेस और गले पर अप्लाई करें। ध्यान रखें कि इसको आंखों के आसपास न लगाएं।

15–20 मिनट तक लगा रहने के बाद फेस वॉश कर लें और तौलिए से सुखा लें।

कोहनी के कालेपन को कहें अलविदा, अपनाएं ये घरेलू उपाय

क्या आपकी कोहनी का रंग भी काला हो गया है और आप परेशान हैं? ऐसा महसूस होता है कि आप जितना भी ध्यान दें, फिर भी वो साफ नहीं हो पाती? दरअसल, कोहनी का काला पड़ना एक आम समस्या है, लेकिन इसके कई आसान और सामान्य कारण होते हैं। यह सिर्फ आपकी त्वचा का मामला नहीं, बल्कि कुछ गलत आदतों या स्किनकेयर के तरीके से भी हो सकता है। अगर आप भी कोहनी के कालेपन को लेकर परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है! यहाँ हम आपको बताएंगे कि इसके पीछे की वजह क्या हो सकती है और इसे कैसे सही किया जा सकता है।

क्रीम अप्लाई न करना

अगर आपकी कोहनियां रूखी और बेजान दिखती हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण मॉइश्चराइजर न लगाना हो सकता है। कोहनियों की स्किन मोटी होती है और यह शरीर के अन्य हिस्सों की तुलना में जल्दी ड्राई हो जाती है। अगर आप रोजाना मॉइश्चराइजर नहीं लगाते हैं, तो स्किन सख्त और डार्क हो सकती है।रोजाना नहाने के बाद कोहनियों पर कोकोआ बटर, शीया बटर या एलोवेरा युक्त क्रीम लगाएं। इससे स्किन हाइड्रेटेड रहेगी और कोहनी का कालापन कम होगा।

सनस्क्रीन न लगाना

हम अक्सर कोहनी की त्वचा को सूर्य की हानिकारक न्ट किरणों से बचाने की जरूरत को नजरअंदाज कर देते हैं। न्ट किरणें त्वचा को डैमेज कर सकती हैं और इसके कारण काले धब्बे या टैनिंग हो सकती है।कोहनी पर भी सनस्क्रीन लगाएं, खासकर जब आप बाहर जाएं। यदि कोहनी में काले धब्बे हो गए हैं, तो टैनिंग से बचने के लिए घर के अंदर रहकर स्किनकेयर करें।

स्किन केयर प्रोडक्ट्स का गलत चुनाव

बहुत से स्किन केयर प्रोडक्ट्स में हार्श केमिकल्स होते हैं जो आपकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। ये प्रोडक्ट्स कोहनी की त्वचा को और अधिक सूखा और काला बना सकते हैं। कोहनी की त्वचा के लिए हमेशा हल्के और प्राकृतिक स्किन केयर प्रोडक्ट्स का चुनाव करें। ऐसी क्रीम का उपयोग करें जिसमें लैक्टिक एसिड या ग्लाइकोलिक एसिड हो, जो मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में मदद करें।

डेड स्किन रिमूव न करना

अगर आपकी कोहनियां रोज एक्सफोलिएट नहीं होतीं, तो डेड स्किन जमा होकर वहां कालापन बढ़ा सकती है। खासकर अगर आप ड्राई स्किन वाले हैं, तो यह समस्या और भी गंभीर हो सकती है। हफ्ते में 2–3 बार कोहनियों पर हल्का स्क्रब करें। चीनी और शहद, ओटमील स्क्रब या कॉफी स्क्रब अच्छे नेचुरल ऑप्शन हैं।

हार्श साबुन का इस्तेमाल करना

ज्यादा हार्श या केमिकल बेस्ड साबुन कोहनियों की स्किन को ड्राई और डल बना सकते हैं। अगर आप रोजाना ऐसे साबुन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इससे स्किन की नमी खत्म हो सकती है और कालापन बढ़ सकता है। माइल्ड और मॉइश्चराइजिंग साबुन चुनें। ऐसे साबुन जिनमें एलोवेरा, ग्लिसरीन या नारियल तेल हो, वे स्किन को नरम बनाए रखते हैं।

कोहनी के कालेपन को सुधारने के घरेलू उपाय

नमक और तेल का पैकः नमक और नारियल तेल को मिलाकर एक पैक तैयार करें। इसे कोहनी पर लगाकर 10–15 मिनट के लिए छोड़ें और फिर पानी से धो लें। यह मृत त्वचा को हटाने और कोहनी को चमकदार बनाने में मदद करता है।

नींबू का रस और शहदः नींबू का रस और शहद मिलाकर कोहनी पर लगाएं। नींबू में ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा के कालेपन को हल्का कर सकते हैं, जबकि शहद त्वचा को मॉइस्चराइज करता है।

बेसन और हल्दी का पैकः बेसन और हल्दी में थोड़ा दूध ा मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे कोहनी पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ें। इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को सफेद और मुलायम बनाने में मदद करता है।

कोहनी का काला पड़ना अक्सर स्किनकेयर से जुड़ी गलत आदतों या स्वास्थ्य संबंधी कारणों की वजह से हो सकता है। इन आसान उपायों को अपनाकर आप अपनी कोहनी को फिर से स्वस्थ और सुंदर बना सकते हैं।

चुपके से आंखों की रौशनी छीन रही है ये दवा! कहीं आप भी तो नहीं कर रहे इस्तेमाल

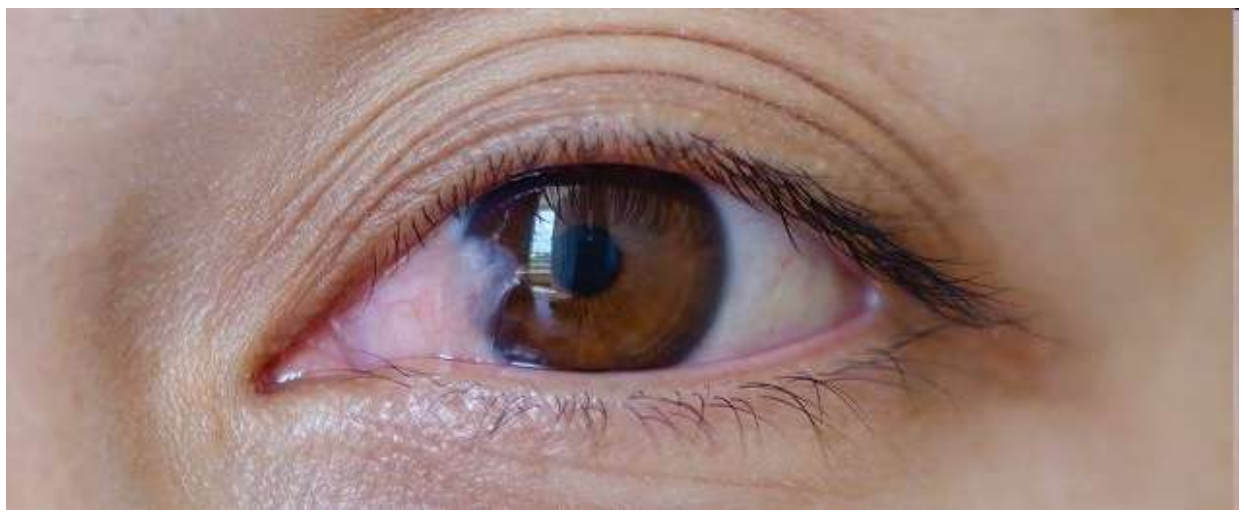

क्या आप भी ऐसी दवा का इस्तेमाल कर रहे हैं जो ध ीरे–धीरे आपकी आंखों की रोशनी छीन सकती है? जी हां, ये एक हकीकत है! कई लोग बिना जानें इस खतरनाक दवा का सेवन कर रहे हैं, जो आंखों की रौशनी पर बुरा असर डाल सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि कौन सी दवाएं हैं, जिनसे आपकी आंखों को गंभीर नुकसान हो सकता है। इसलिए, अगर आप भी किसी दवा का सेवन कर रहे हैं, तो इस लेख को अंत तक जरूर पढ़ें, ताकि आप जान सकें कि किस दवा से बचना चाहिए और किसका सही तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए। स्टेरॉयड, जो कि आमतौर पर सूजन और एलर्जी कम करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं, अगर इन्हें बिना डॉक्टर की सलाह के या लंबे समय तक लिया जाए, तो यह आंखों के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। यह दवा टेबलेट, इंजेक्शन, क्रीम और आई ड्रॉप्स के रूप में उपलब्ध होती है।

आंखों की बीमारियों का खतरा

एम्स के डॉक्टरों का कहना है कि स्टेरॉयड का लंबे समय तक इस्तेमाल आंखों की गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकता है। विशेष रूप से, अगर आप स्टेरॉयड से युक्त इनहेलर, नेजल स्प्रे, या त्वचा की क्रीम का इस्तेमाल कर रहे हैं तो यह आपके ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचा सकता है। ऑप्टिक नर्व आंखों को मस्तिष्क से जोड़ने का काम करती है, और इसका नुकसान होने पर, आंखों की रोशनी वापस नहीं लौट सकती है।

ग्लूकोमा और आंखों का दबाव

स्टेरॉयड के लगातार इस्तेमाल से आंखों में दबाव बढ़ सकता है, जिससे ग्लूकोमा जैसी गंभीर बीमारी हो सकती है। यह बीमारी शुरुआत में कोई लक्षण नहीं दिखाती, लेकिन जब समस्या बढ़ जाती है तो एक आंख से दिखाई देना बंद हो सकता है।

तनाव का प्रभाव

इसके अलावा, तनाव भी आंखों के दबाव को बढ़ा सकता है। तनाव के कारण शरीर में कॉर्टिसोल नामक हार्मोन का स्तर बढ़ जाता है, जिससे आंखों का प्रेशर बढ़ता है और काला मोतिया (ग्लूकोमा) होने का खतरा बढ़ जाता है। सामान्य स्थिति में आंखों का दबाव 10–21उउ भ्ह होता है, लेकिन तनाव के कारण यह बढ़ सकता है।

सावधानी बरतें

डॉक्टर्स का कहना है कि यदि आप स्टेरॉयड दवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं तो इस पर सावधानी बरतें। इसका लंबे समय तक या बिना डॉक्टर की सलाह के इस्तेमाल से बचें। इसके अलावा, मानसिक तनाव से भी बचना चाहिए ताकि आंखों पर किसी प्रकार का अतिरिक्त दबाव न पड़े।

ईद पर लगना है चांद सा खूबसूरत, तो इन बॉलीवुड एक्ट्रेसेस के हेयरस्टाइल से लें आइडियास

ईद 2025 का त्योहार बस आने वाला है, और हर कोई इस खास दिन पर शानदार और आकर्षक दिखने के लिए तैयारियां कर रहा है। इस दिन के लिए सभी ने अपने आउटफिट्स और ज्वैलरी का चुनाव कर लिया है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल है–हेयरस्टाइल क्या रखें? अगर आप भी इसी कंफ्यूजन में हैं, तो घबराने की कोई बात नहीं है। हम लाए हैं कुछ बॉलीवुड हसीनाओं के खूबसूरत हेयरस्टाइल्स के आइडिया, जिन्हें आप इस ईद पर अपना कर सबका ध यान आकर्षित कर सकती हैं। अगर आप ईद पर सूट पहनने जा रही हैं, तो जाह्नवी कपूर के इस हेयरस्टाइल को अपना सकती हैं। उन्होंने मीड पार्टिंग की है और फ्रंट के कुछ बालों से ब्रेड बनाई है, जिसे उन्होंने बैकसाइड में एक लंबी ब्रेड के साथ जोड़ लिया है। इसके साथ परांदा भी लगाया गया है, जो लुक को और आकर्षक बनाता है। आप भी इसे कॉपी कर इस ईद पर हर किसी की तारीफें बटोर सकती हैं। अगर आप कुछ सिंपल लेकिन स्टाइलिश चाहती हैं, तो कृति सेनन का हेयरस्टाइल परफेक्ट रहेगा। कृति ने अपने बालों को हाफ टाई किया है और बैक से खुले रखे हैं, जो देखने में बहुत ही खूबसूरत और आसान लगता है। आलिया भट्ट का यह वेवी जूड़ा भी इस ईद के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। आलिया ने अपने बालों को वेवी किया और फिर जूड़ा बनाया, साथ में टीका लगाया। यह लुक आपको एक क्लासिक और एलीगेंट दिखाएगा। खुशी कपूर का यह सिंपल लेकिन आकर्षक लुक ईद के खास मौके के लिए परफेक्ट है। उन्होंने फ्रंट के बालों की ब्रेड बनाई और बैक से बालों को खुला रखा। यह लुक बहुत ही एलिगेंट और स्टाइलिश है। इस ईद पर आप हुमा कुरैशी का ट्विस्टेड ब्रेड हेयरस्टाइल भी अपना सकती हैं। इसमें आप गुलाब के फूल भी अपने बालों में लगा सकती हैं, जो आपको एक राजकुमारी जैसा लुक देगा। अगर आपके छोटे बाल हैं, तो सारा अली खान का हेयरस्टाइल आपके लिए बिल्कुल सही रहेगा। सारा ने अपने बालों को वेवी किया और फिर उन्हें बैक में ट्विस्ट कर टाई किया है। यह लुक आपको क्यूट और स्टाइलिश दोनों दिखाएगा। नुसरत जहां का यह सिंपल हेयरस्टाइल आपको ईद के दिन बेहद खूबसूरत दिखाएगा। उन्होंने अपने बालों को स्ट्रेट किया और खुले रखा, साथ ही मांग टिका भी लगाया है। यह लुक खासतौर पर इंडियन आउटफिट्स के साथ बहुत सूट करेगा। इन सभी बॉलीवुड हसीनाओं के हेयरस्टाइल्स से आपको कुछ बेहतरीन आइडिया मिल सकते हैं, जो आपको ईद पर चांद सा खूबसूरत बना देंगे। अब आप बस अपने पसंदीदा लुक को चुनें और इस ईद पर सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करें!

कोलकाता और बेंगलुरु के बीच घमासान, जानें कैसे होगी दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शनिवार को गत चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच भिड़ंत होगी। केकेआर के लिए खिताब बचाना एक सपना होगा। अब तक आईपीएल इतिहास में दो बार ही कोई टीम अपने ट्रॉफी को डिफेंड कर पाई है। 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2020 में मुंबई इंडियंस की टीमें डिफेंडिंग चौंपियन के रूप में उतरी थी और खिताब पर फिर से कब्जा किया था।

आईपीएल 2025 का आगाज 22 मार्च से शुरू होने वाला है। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शनिवार को गत चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच भिड़ंत होगी। केकेआर के लिए खिताब बचाना एक सपना होगा। अब तक आईपीएल इतिहास में दो बार ही कोई टीम अपने ट्रॉफी को डिफेंड कर पाई है। 2011 में चेन्नई सुपर किंग्स और 2020 में मुंबई इंडियंस की टीमें डिफेंडिंग चौंपियन के रूप में उतरी थी और खिताब पर फिर से कब्जा किया था। जब केकेआर मैनेजमेंट द्वारा श्रेयस अय्यर को रिटेंशन सूची से बाहर रखा गया, तो उसके फैंस का सपना टूट गया। अय्यर ने केकेआर की तीसरी खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अब वह पंजाब किंग्स के कप्तान हैं। केकेआर ने अनुभवी अजिंक्य रहाणे की टीम की कमान सौंपी है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर चुके हैं। रहाणे के ऊपर इस बार टीम को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। दो आईपीएल दिग्गज टीमों के बीच मुकाबला आकर्षक होगा। केकेआर में आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती और क्विंटन डिकॉक जैसे स्टार हैं। वहीं, आरसीबी में सुपरस्टार विराट कोहली का साथ देने के लिए कप्तान रजत पाटीदार, लियाम लिविंगस्टोन, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। ऐसे में दोनों टीमों के बीच ये मैच काफी रोमांचक होने वाला है।

केकेआर की ताकत और कमजोरी

वहीं केकेआर की ताकत की बात करें तो, टीम की बड़ी ताकत वरुण चक्रवर्ती हैं। इस मिस्ट्री स्पिनर को पढ़ना किसी के लिए भी मुमकिन नहीं है। उनका साथ देने के लिए सुनील नरेन भी हैं। दोनों के कुल 8 ओर किसी भी विपक्षी पर भारी पड़ सकते हैं। टीम की दूसरी ताकत तीन आर हैं। वहीं टीम की कमजोरी की बात करें तो, केकेआर अपने अधिकांश खिलाड़ियों को बनाए रखा है, लेकिन टीम को फिल साल्ट, श्रेयस अय्यर और मिचेल स्टार्क की कमी खलेगी। रहाणे लंबे समय बाद आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं। उनके ऊपर सबकी नजरें रहेंगी। फैंस को बस इस बात का डर है कि कहीं कप्तानी और बल्लेबाजी के दबाव में वह न आ जाएं।

आरसीबी की ताकत और कमजोरी

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की ताकत उनकी बल्लेबाजी है। विराट कोहली और फिल साल्ट ओपनिंग कर सकते हैं। निचले मध्यक्रम में टीम के पास जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन और टिम डेविड जैसे कुछ पावर हिटर हैं। मध्यक्रम आरसीबी के पास कप्तान रजत पाटीदार के रूप में एक स्थिर बल्लेबाज है। आरसीबी के पास जोश हेजलवुड जैसे खिलाड़ियों के साथ एक बहुत ही शक्तिशाली पेस अटैक भी है।

हालांकि, इस टीम की कमजोरी स्पिन अटैक है। सुयश शर्मा टीम में एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर हैं, जबकि क्रुणाल पंड्या और स्वप्निल शर्मा जैसे खिलाड़ी मुख्य रूप से ऑलराउंडर हैं। लियाम लिविंगस्टोन, टिम डेविड और जैकब बेथेल जैसे खिलाड़ी अपनी स्पिन से योगदान दे सकते हैं।

दोनों की संभावित प्लेइंग 11

आरसीबी– विराट कोहली, फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, यश दयाल।

केकेआर– क्विंटन डी कॉक, सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे, वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह, आंद्रे रसेल, रमनदीप सिंह, हर्षित राणा, स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती।

संक्षिप्त

शेयर बाजार में हरियाली बरकरार; सेंसेक्स 267 अंक चढ़ा, निफ्टी 23250 के पार पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले, लेकिन जल्द ही अपनी स्थिति मजबूत कर ली। उसके बाद ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह से निवेशकों की धारणा को समर्थन मिलने के कारण बढ़त के साथ कारोबार होता दिखा। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 252.8 अंक गिरकर 76,095.26 अंक पर आ गया। वहीं एनएसई निफ्टी 57.85 अंक गिरकर 23,132.80 अंक पर आ गया। हालांकि, बाद में दोनों बेंचमार्क सूचकांकों ने शुरुआती नुकसान की भरपाई कर ली और बढ़त के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई बेंचमार्क इंडेक्स 205. 09 अंक बढ़कर 76,550.97 पर और निफ्टी 70.05 अंक बढ़कर 23,262.55 पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में बजाज फाइनेंस, नेस्ले, कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, मारुति, पावर ग्रिड, अदाणी पोर्ट्स, टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व शामिल रहे। हालांकि, इंफोसिस, टाइटन, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक, इंडसइंड बैंक, टेक महिंद्रा, एशियन पेंट्स और जोमैटो पिछड़ गए। एशियाई बाजारों में सियोल और टोक्यो सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे जबकि शंघाई और हांगकांग में गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,239. 14 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी खरीदी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, ष्इस सप्ताह बाजार में तेजी आई है, जिसमें निफ्टी में 3. 5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह तेजी ऐसे समय आई है, जब व्यापार तनाव बढ़ रहा है और 2 अप्रैल को पारस्परिक शुल्क लागू होने के बाद और अधिक तेजी आने की उम्मीद है। तेजी का मुख्य कारण दो दिनों में नकदी बाजार में एफआईआई द्वारा की गई खरीदारी है।ष वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.43 प्रतिशत बढ़कर 72.31 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गुरुवार को बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स 899.01 अंक या 1.19 फीसदी की बढ़त के साथ 76,348.06 पर बंद हुआ था। निफ्टी 283.05 अंक या 1.24 फीसदी की बढ़त के साथ 23,000 के स्तर को फिर से हासिल कर 23,190.65 पर बंद हुआ था।

टेलीकॉम: देश में 2028 तक होंगे 77 करोड़ 5जी उपभोक्ता, हर माह औसतन 40 जीबी डाटा इस्तेमाल कर रहे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में अगले तीन साल में यानी 2028 तक 5जी उपभोक्ताओं की संख्या 2.65 गुना बढ़कर करीब 77 करोड़ पहुंच जाएगी। अभी इनकी संख्या 29 करोड़ है। नोकिया की सालाना मोबाइल ब्रॉडबैंड इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में पूरे भारत में 5जी डाटा के इस्तेमाल में सालाना आधार पर तीन गुना की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।घदिसंबर, 2024 में प्रति ग्राहक औसत मासिक 5जी डाटा खपत बढ़कर 40 जीबी पहुंच गई।घरिपोर्ट में कहा गया है कि 4जी और 5जी डाटा की खपत मिलकर पांच साल में 19.5 फीसदी की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 2024 में 27.5 जीबी पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक,

5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के निरंतर बढ़ने से डाटा खपत में वृद्धि हो रही है। एफडब्ल्यूए ग्राहक अब औसत यूजर्स की तुलना में 12 गुना अधिक डाटा का उपभोग कर रहे हैं। यह बदलाव आवासीय और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्रों में नई सेवाओं के कारण हो रहा है।

बदले जाने वाले 90 फीसदी फोन 5जी होंगे

भारत में 5जी उपकरण परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। सक्रिय 5जी उपकरणों की संख्या दोगुनी होकर 2024 में 27. 1 करोड़ तक पहुंच गई। 2025 में जितने पुराने स्मार्टफोन बदले जाएंगे, उनमें 90 फीसदी 5जी होंगे। 5जी एडवांस्ड की क्षमताएं 6जी में बदलाव के लिए आधार का काम करेंगी।

4जी डाटा की खपत में लगातार गिरावट

देशभर में 2026 की पहली तिमाही तक 4जी की तुलना में 5जी डाटा की मासिक खपत अधिक होगी। इस वृद्धि का नेतृत्व कैटेगरी बी और सी सर्किल्स कर रहे हैं। इन सर्किल्स में खपत क्रमशः 3.4 गुना और 3.2 गुना बढ़ी है। मेट्रो सर्किलों में 5जी डाटा उपयोग अब कुल मोबाइल ब्रॉडबैंड डाटा का 43 फीसदी है, जो 2023 में 20 फीसदी था। 4जी डाटा का इस्तेमाल लगातार घट रहा है।

ओला इलेक्ट्रिक के बिक्री आंकड़ों व वास्तविक वाहन पंजीकरण में मिला अंतर, अब होगी जांच

नई दिल्ली। सरकार ने इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक की ओर से दिए गए बिक्री के आंकड़ों और वास्तविक वाहन पंजीकरण के बीच के अंतर पाए जाने पर कंपनी के खिलाफ जांच का निर्देश दिया है।घसाथ ही, कई उपभोक्ताओं ने कंपनी के खिलाफ शिकायत भी की है। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को कहा, भारी उद्योग मंत्रालय ने ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) को कंपनी के खिलाफ दोनों मामलों में जांच कर 15 दिन में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। दरअसल, ओला इलेक्ट्रिक ने वाहन पोर्टल पर फरवरी के लिए पंजीकरण की कुल संख्या 8,652 दर्ज कराई, जबकि कंपनी ने इस दौरान 25,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री की सूचना दी थी। वाहन पोर्टल पर 20 मार्च तक कंपनी के पंजीकरण 11,781 थे। ओला इलेक्ट्रिक ईवी को प्रोत्साहन देने वाली फेम–2 और पीएम ई–ड्राइव योजनाओं की लाभार्थी है। सूत्रों ने कहा, एआरएआई की जिम्मेदारी है कि पीएम ई–ड्राइव योजना के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित हो। साथ ही, वह कंपनी के बिक्री आंकड़ों में विसंगति और उपभोक्ता शिकायतों की भी जांच करेगा।

प्लेऑफ में पहुंचने के लिए किस टीम की दावेदारी मजबूत? सहवाग–गिलक्रिस्ट समेत नौ क्रिकेटर्स ने रखी राय

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 का शनिवार से आगाज होने जा रहा है। लीग के 18वें सत्र के लिए सभी टीमें तैयारियों में जुटी हुई हैं। ओपनिंग मैच डिफेंडिंग चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के बीच ईडन गार्डेंस में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले ही क्रिकेट पंडितों ने प्लेऑफ के लिए अपनी पसंदीदा टीमों के बारे में बताना शुरू कर दिया है। वीरेंद्र सहवाग, माइकल वॉन, एडम गिलक्रिस्ट जैसे पूर्व क्रिकेटरों ने क्रिकबज से बात करते हुए आगामी सीजन के लिए अपनी शीर्ष चार टीमों का खुलासा किया। हालांकि, भारत के पूर्व ऑलराउंडर रोहन गावस्कर को छोड़कर किसी भी पूर्व क्रिकेटर ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को इस सीजन में शीर्ष चार में नहीं चुना। आरसीबी के अलावा सहवाग ने पांच बार की चौंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार नहीं बताया है। दिग्गज क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने भी आरसीबी के प्लेऑफ में पहुंचने का समर्थन किया है। नौ में से आठ विशेषज्ञों ने सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल में पहुंचने का दावेदार बताया। हालांकि, आश्चर्य की बात यह है कि किसी ने राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ में पहुंचने का दावेदार नहीं बताया है। आइए जानते हैं क्रिकेट पंडितों की नजर में कौन सी चार टीमें प्लेऑफ में पहुंचने की दावेदार हैं...

वीरेंद्र सहवागः मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स

एडम गिलक्रिस्टः पंजाब किंग्स, मुंबई इंडियंस, सनराइजर्स हैदराबाद, गुजरात टाइटंस

रोहन गावस्करः रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस

हर्षा भोगलेः सनराइजर्स हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु

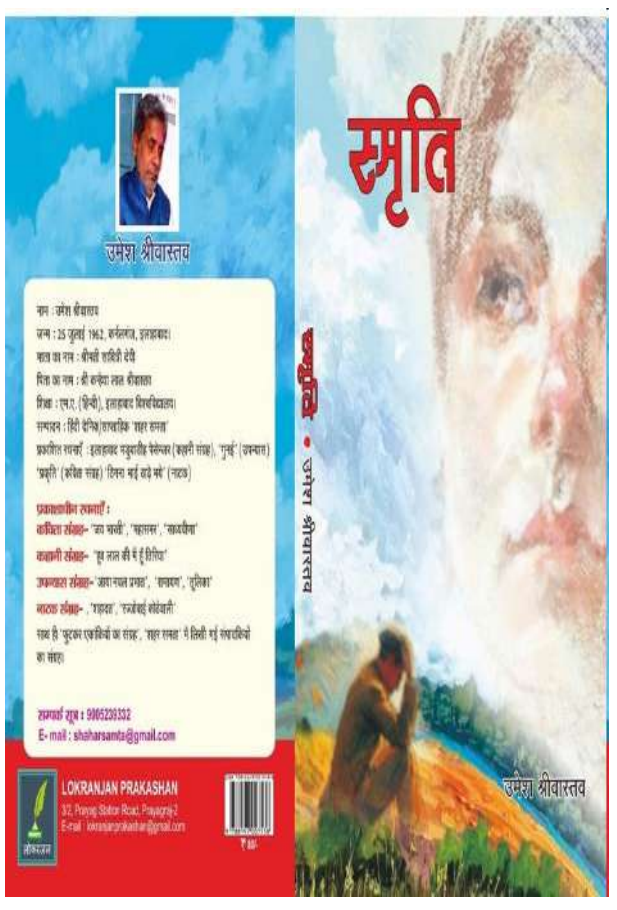

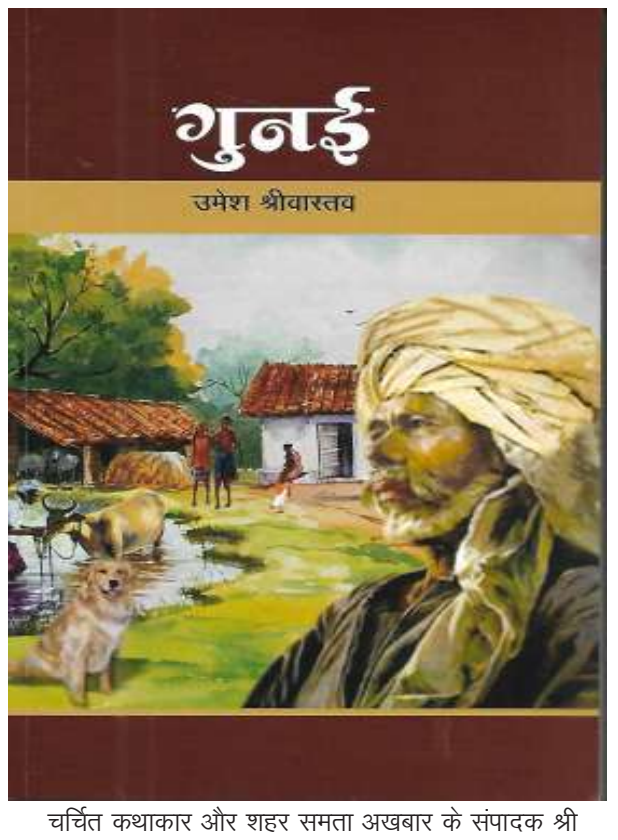

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

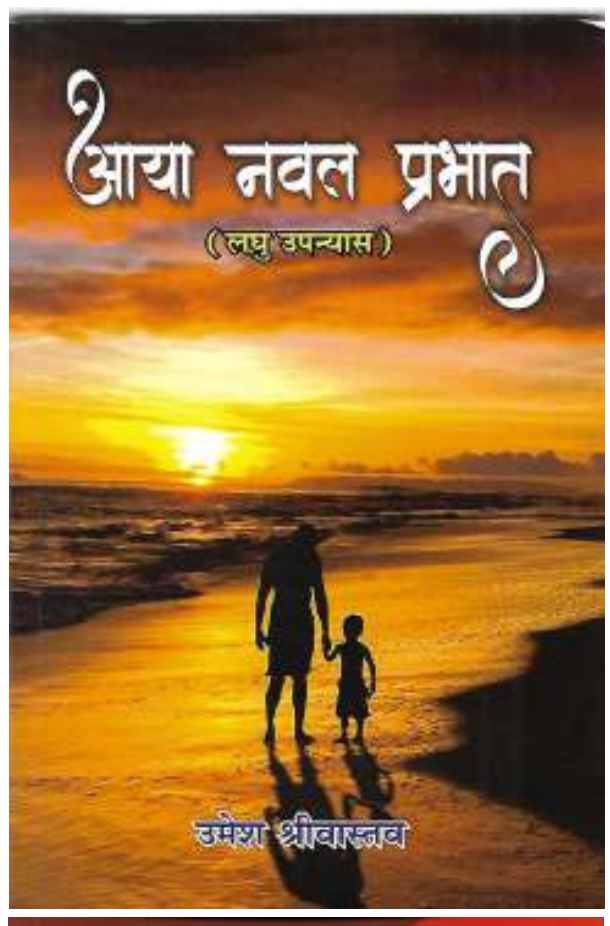

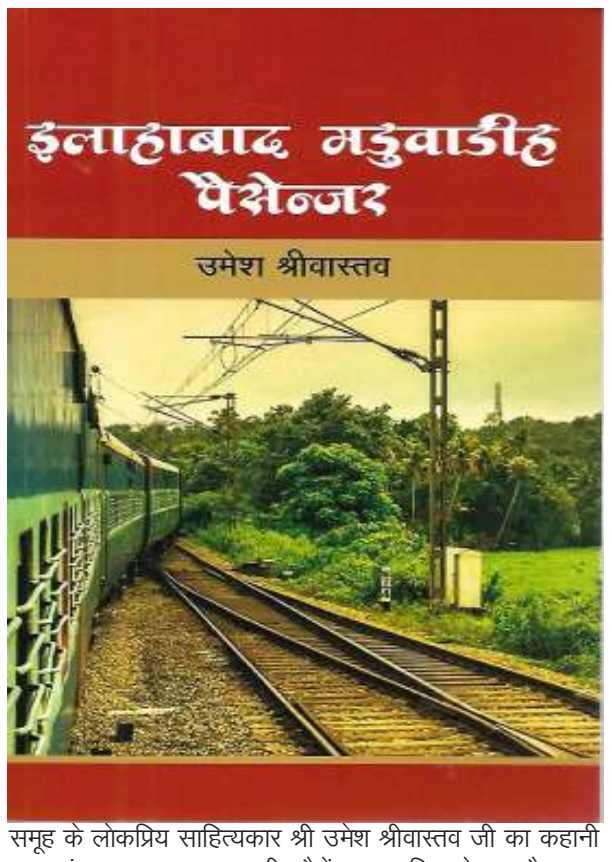

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

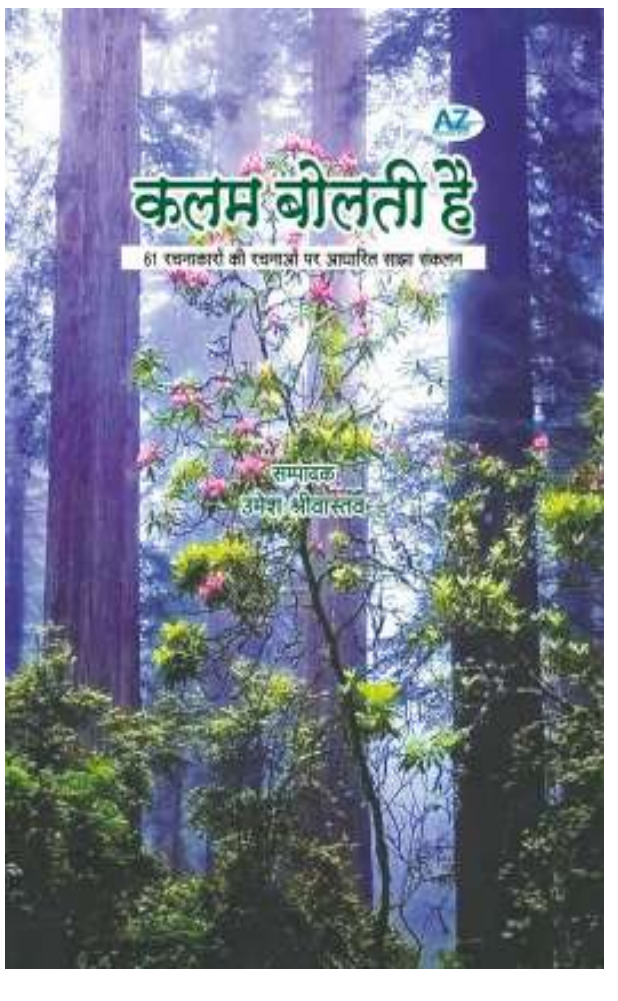

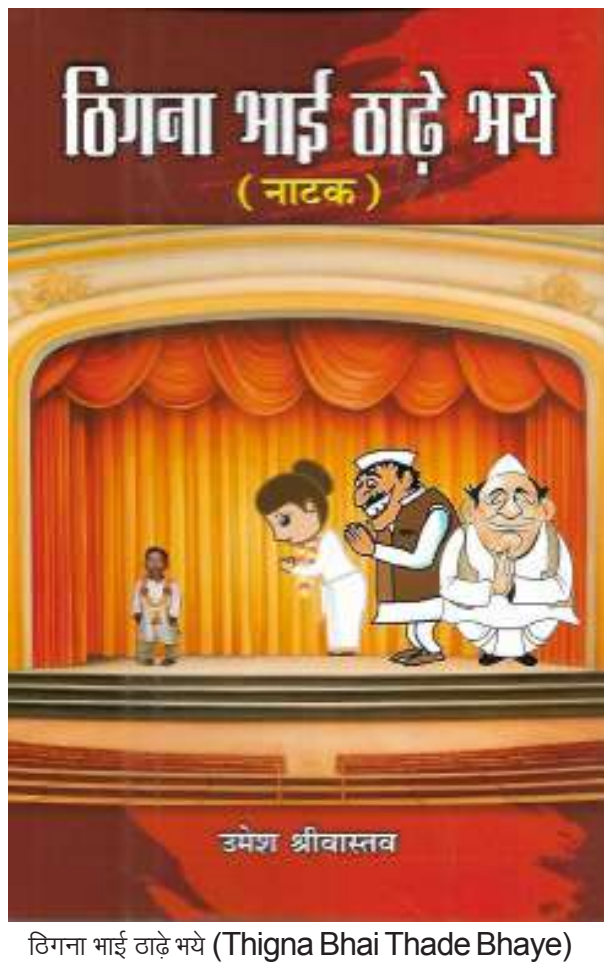

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सबसे बड़ा व्यापारी तो अपना भारत निकला, अमेरिका को ही बेच दिया रूस का तेल

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका के बीच एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यूरोपीय थिंक टैंक सेंटर फॉर रिसर्चएनर्जी एंड क्लीन एयर य़ानी सीआरईए की रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल खरीदा, उसे अपनी रिफॉयनरी में प्रोसेस किया और फिर वही तेल अमेरिका को बेच दिया। अमेरिका जो खुद रूस पर प्रतिबंध लगाकर उसकी अर्थव्यवस्था को कमजोर करना चाहता था। भारत के जरिए वही रूसी तेल खरीदने को मजबूर हो गया। दरअसल, जब से मोदी सरकार ने सत्ता संभाली हैं। उनका फंडा सीधा सा है सस्ता तेल खरीदो, उसे रिफाइन करो और ऊंचे दामों पर बेचो। जब अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस पर कई प्रतिबंध लगाए तो भारत ने मौके के फायदा उठाया। भारत ने रूस से भारी मात्रा में सस्ता कच्चा तेल खरीदा और उसे पेट्रोल और डीजल में बदलकर अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना शुरू कर दिया। सीआरईए की रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2024 से जनवरी 2025 तक अमेरिका ने भारत और तुर्की की रिफाइनरियों से लगभग 25 हजार करोड़ का ईंधन खरीदा। इसमें से करीब 11 हजार 600 करोड़ का ईंधन सिर्फ रूसी कच्चे तेल को रिफाइन करके तैयार किया गया था। गौरतलब है कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण के तुरंत बाद रूस से बड़ी मात्रा में तेल आयात करना शुरू कर दिया। इसका मुख्य कारण यह है कि पश्चिमी प्रतिबंधों और कुछ यूरोपीय देशों द्वारा खरीद से परहेज करने के कारण रूसी तेल अन्य अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क की तुलना में काफी छूट पर उपलब्ध था। इस डील में भारत की सबसे बड़ी रिफाइनिंग कंपनियां शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्री जिसका कुल निर्यात 8 हजार 500 करोड़ है। दूसरी नायरा एनर्जी जिसका कुल निर्यात 1 हजार 850 करोड़ और इसने रूसी तेल से बना ईंधन 1 हजार 750 करोड़ है। तीसरी कंपनी मंगलुरु रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल लिमिटेड जिसका कुल निर्यात 420 करोड़ रुपए है। रूसी तेल से बना ईंधन 210 करोड़ रुपए है। गुजरात के वाडिनार में रूस की रोसनेफ्ट–समर्थित नायरा एनर्जी की दो करोड़ टन प्रति वर्ष की रिफाइनरी है। इस रिफाइनरी ने जनवरी, 2024 और जनवरी, 2025 के बीच अमेरिका को 18. 4 करोड़ यूरो का ईंधन निर्यात किया। सीआरईए ने कहा कि इसमें से 12.4 करोड़ यूरो रूसी कच्चे तेल से परिष्कृत होने का अनुमान है।

यमन से मिसाइल दागे जाने के बाद यरूशलम में हवाई हमले के प्रति अलर्ट करने वाले सायरन बजे

इजराइली सेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि यमन से मिसाइल दागे जाने के बाद मध्य यरूशलम और इजराइल के अन्य हिस्सों में हवाई हमलों के प्रति सचेत करने वाले सायरन

बज उठे। इस मिसाइल हमले से कुछ घंटे पहले इजराइली सेना ने हूती विद्रोहियों की ओर से दागी एक अन्य मिसाइल को मार गिराने का दावा किया था। ईरान के समर्थन वाले हूती विद्रोहियों ने इजराइल और हमास के बीच अस्थाई संघर्ष–विराम के इस सप्ताह खत्म होने के बाद इजराइल पर एक बार फिर हमले शुरू कर दिए हैं।

तीन भारतीय नागरिकों को इंडोनेशिया में मिल सकती है मौत की सजा, ड्रग तस्करी का है आरोप

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया में तीन भारतीयों को मौत की सजा सुनाई जा सकती है। दरअसल तीनों पर जुलाई 2024 में इंडोनेशिया में ड्रग की तस्करी करने का आरोप है। फिलहाल मामले में सुनवाई चल रही है, लेकिन इंडोनेशिया के कानून के मुताबिक तीनों को मौत की सजा सुनाई जा सकती है। आरोप है कि इन तीनों भारतीयों ने सिंगापुर का झंडा लगे जहाज से इंडोनेशिया में ड्रग पहुंचाई। तीनों की पहचान राजू मुथुकुमारन (38 वर्षीय), सेल्वादुरई दिनाकरण (34 वर्षीय) और गोविंदसामी विमलकंधन (45 वर्षीय) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी तमिलनाडु के निवासी हैं। तीनों सिंगापुर की शिपिंग इंडस्ट्री के लिए काम कर रहे थे। तीनों पर 106 किलो क्रिस्टल मेथ ड्रग अवैध रूप से इंडोनेशिया ले जाने का आरोप है। इंडोनेशिया के सुरक्षाबलों ने करीकुम जिले के पोंगकर इलाके में जहाज को पकड़ा। जहां से जहाज पकड़ा गया, वहां से सिंगापुर की दूरी महज एक घंटे की है। इस मामले में अब जहाज के कैप्टन की गवाही होनी है, लेकिन जहाज का कैप्टन कोर्ट में पेश नहीं हुआ। वह जूम कॉल के जरिए सुनवाई से जुड़ा और इसके चलते उसकी गवाही नहीं हो सकी। इस मामले में जहाज के कैप्टन की गवाही बेहद अहम है और उसी से ही तीनों भारतीयों की बेगुनाही साबित हो सकती है। इंडोनेशिया के अभियोजकों ने तीनों भारतीयों के लिए मौत की सजा की मांग की है। एक भारतीय वकील ही तीनों भारतीयों का पक्ष रख रहा है। बचाव पक्ष का कहना है कि कैप्टन की मंजूरी के बिना इतनी बड़ी संख्या में ड्रग को जहाज में रखना संभव नहीं है। साथ ही जहाज से मिली सभी चीजों की जिम्मेदारी कैप्टन पर होती है। इस मामले में 15 अप्रैल को सजा का एलान हो सकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

रिपोर्ट में दावा– चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति मस्क के साथ साझा करेगा पेंटागन; ट्रंप ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया है कि अमेरिका का रक्षा विभाग पेंटागन चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति अरबपति कारोबारी एलन मस्क के साथ साझा करेगा। ट्रंप ने इस खबर को झूठ बताया है। दरअसल अमेरिकी न्यूज चौनल न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें दावा किया कि पेंटागन के अधिकारी चीन के खिलाफ युद्ध की खुफिया रणनीति को राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पेश करने से पहले सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी एलन मस्क को इसकी जानकारी देंगे।

ट्रंप ने किया खंडन

राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर साझा किए एक पोस्ट में लिखा कि श्चीन का इस बैठक में जिक्र भी नहीं होगा। ये कितना शर्मनाक है कि ये बदनाम मीडिया इस तरह के झूठ भी गढ़ सकता है। खैर इस कहानी में कोई सच्चाई नहीं है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हम कल पेंटागन में मस्क का स्वागत करेंगे, लेकिन एक बार फिर फर्जी खबर फैलाई गई। यह बैठक चीन के साथ युद्ध के किसी खुफिया प्लान के बारे में नहीं है बल्कि ये एक अनौपचारिक बैठक है, जिसमें नवाचार, दक्षता और बेहतर उत्पादन पर चर्चा होगी। मीडिया रिपोर्ट के दावे के बाद ट्रंप प्रशासन के आलोचकों ने इसे मुद्दा बना लिया और विपक्षी डेमोक्रेट नेताओं ने कहा कि टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के चीन से व्यापार हित जुड़े हैं। ऐसे में मस्क के साथ संघीय सरकार की गोपनीय सूचनाएं साझा करने पर सवाल उठाए।

रिपोर्ट में चीन युद्ध योजना की टॉप–सीक्रेट जानकारी मस्क के साथ साझा करने का दावा

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस टॉप–सीक्रेट ब्रीफिंग में 20 से 30 स्लाइड्स शामिल हैं। जिसमें अमेरिका की चीन के खिलाफ युद्ध की संभावित रणनीतियों का विवरण दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि किन चीनी ठिकानों पर हमला किया जा सकता है और किस समय अवधि में यह कार्रवाई की जाएगी। यह योजना राष्ट्रपति ट्रंप को भी प्रस्तुत की जाएगी।

व्हाइट हाउस और मस्क ने नहीं की पुष्टि

व्हाइट हाउस और एलन मस्क ने अभी तक इस पेंटागन दौरे की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, रक्षा विभाग के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने न्यूयॉर्क टाइम्स से कहा, ष्रक्षा विभाग एलन मस्क का शुक्रवार को पेंटागन में स्वागत करने के लिए उत्साहित है। उन्हें रक्षा मंत्री हेगसेथ द्वारा आमंत्रित किया गया था और वे सिर्फ एक दौरे पर आ रहे हैं।

मस्क की भूमिका पर उठ रहे सवाल

एलन मस्क पहले से ही ट्रंप प्रशासन में अपनी भूमिका को लेकर जांच के दायरे में हैं। 53 वर्षीय मस्क जनवरी में ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से सरकारी खर्चों में कटौती के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं।

कांप गई अफगानिस्तान की धरती, घरों से निकले लोग, जोरदार भूकंप के बाद ऐसे हैं हालात

भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भूकंप से धरती कांप गई है। भूकंप के तेज झटके शुक्रवार को महसूस किए गए है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की मानें तो शुक्रवार 21 फरवरी रात अफगानिस्तान में जो भूकंप आया है उसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.9 मापी गई है। भूकंप के झटके काफी तेजी से महसूस हुए है। लोगों में इस भूकंप के बाद दहशत फैल गई है। देर रात को आए इस भूकंप से बचने के लिए कई लोग अपने घर पर बाहर भागते दिखे ताकी अपनी जान बचा सके। हालांकि राहत है कि अब तक इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं है। इस भूकंप के संबंध में अधिक जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने जारी की है। इसके मुताबिक भूकंप रात एक बजे आया था। भूकंप का केंद्र जमीन से 160 किलोमीटर नीचे था। इससे पहले 13 मार्च को भी अफगानिस्तान की धरती 4.0 तीव्रता के भूकंप से कांप गई थी।

कम गहराई वाले भूकंप होते हैं ज्यादा खतरनाक

जानकारों की मानें तो भूकंप जो कम गहराई से होते हैं वो अधिक गहराई वाले भूकंप की तुलना में अधिक खतरनाक होते है। माना जाता है कि इसके पीछे कारण है कि भूकंप में अधिक ऊर्जा धरती की सतह के पास से निकलती है, जिस कारण जमीन तेजी से हिलती है। ये इमारतों को अधिक नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे भूकंप के कारण लोगों को नुकसान भी अधिक हो सकता है। वहीं जो भूकंप अधिक गहराई के समय आते है वो सतह तक पहुंचते पहुंचते कमजोर हो जाती है। इससे पहले नौ फरवरी को भी अफगानिस्तान में भी भूकंप के तेज झटके महसूस हुए थे। इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई थी। भूकंप का केंद्र धरती की 255 किलोमीटर गहराई में दर्ज हुआ था। इस दौरन लोग घबराकर घर से बाहर निकल गए थे। इस दौरान जान माल के नुकसान की जानकारी नहीं मिली थी।

जानें बार बार अफगानिस्तान में क्यों आते हैं भूकंप

अफगानिस्तान में भूकंप के झटके बार बार महसूस किए जाते है। इसके पीछे मख्य कारण अफगानिस्तान का भौगोलिक स्थान है। अफगानिस्तान हिंदूकुश पर्वत श्रृंखला के पास है। इस जगह पर ही यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती रहती है। इस प्लेटों के टकराव से तनाव पैदा होता है, जिससे भूकंप अधिक आते है। अफगानिस्तान भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है।

उत्तर कोरिया ने नई विमानभेदी मिसाइलों का किया परीक्षण, अमेरिका–दक्षिण कोरिया पर की ये टिप्पणी

सियोल। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को नई विमान भेदी मिसाइलों का परीक्षण किया। उसकी सेना ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास को लेकर उनके खिलाफ गंभीर कदम उठाने की धमकी दी है। उत्तर कोरिया ने अपने परीक्षण को आक्रमण का पूर्वाभ्यास बताया है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने कहा कि उनके नेता किम जोंग उन ने गुरुवार को परीक्षणों की निगरानी की और कहा कि ये मिसाइलें उत्तर कोरिया के लिए ष्एक और प्रमुख रक्षा हथियार प्रणालीष् हैं।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने समाप्त किया 11 दिन का प्रशिक्षण

मिसाइल प्रक्षेपण, इस वर्ष उत्तर कोरिया की छठी हथियार परीक्षण गतिविधि, उसी दिन हुई जिस दिन अमेरिका और दक्षिण कोरियाई सेनाओं ने अपना वार्षिक फ्रीडम शील्ड कमांड पोस्ट अभ्यास समाप्त किया। 11 दिवसीय प्रशिक्षण जनवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन के बाद से सहयोगियों का पहला प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास था। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के अधिकारी अपने संयुक्त सैन्य अभ्यास को रक्षात्मक प्रकृति का बताते हैं, लेकिन उत्तर कोरिया इसे एक बड़ा सुरक्षा खतरा मानता है। 10 मार्च को इस साल के फ्रीडम शील्ड प्रशिक्षण के शुरू होने के कुछ ही घंटों बाद उत्तर कोरिया ने समुद्र में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। शुक्रवार को उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने आरोप लगाया कि हाल ही में अमेरिका–दक्षिण कोरिया के बीच हुए अभ्यास में उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों को हटाने के लिए भूमिगत सुरंगों को नष्ट करने की कोशिश की गई। मंत्रालय के एक अज्ञात प्रवक्ता ने कहा कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने फिर से इसी तरह की भड़काऊ कार्रवाई की तो उन्हें इसके परिणाम भुगतने होंगे।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर उत्तर कोरिया की बयानबाजी शुरू

केसीएनए में प्रकाशित एक बयान में प्रवक्ता ने कहा, ष्अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लापरवाह सैन्य कदम, इस दिवास्वप्न से ग्रसित हैं कि वे एक परमाणु हथियार संपन्न राज्य की संप्रभुता और सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं, निस्संदेह सबसे गंभीर परिणाम ला सकते हैं, जो वे नहीं चाहते हैं।ष आरओके कोरिया गणराज्य है, जो दक्षिण कोरिया का आधिकारिक नाम है। जब

अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सेनाएं बड़े अभ्यास करती हैं, तो उत्तर कोरिया अक्सर युद्ध जैसी बयानबाजी और हमलों की धमकियां देता है। ट्रंप ने कहा है कि वह अपनी कूटनीति को पुनर्जीवित करने के लिए किम से संपर्क करने को तैयार हैं, लेकिन उत्तर कोरिया ने ट्रंप के प्रस्ताव पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। कई विशेषज्ञों का कहना है कि किम, जो अब यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध प्रयासों के समर्थन में व्यस्त हैं, संभवतः ट्रंप के प्रस्ताव को जल्द ही स्वीकार नहीं करेंगे, लेकिन युद्ध समाप्त होने पर वे इस पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। उत्तर कोरिया के संभावित परमाणु निरस्त्रीकरण पर चर्चा करने के लिए किम और ट्रम्प ने 2018–19 में तीन बार मुलाकात की, लेकिन उत्तर कोरिया पर अमेरिका के नेतृत्व वाले आर्थिक प्रतिबंधों पर विवाद के कारण अंततः उनकी कूटनीति टूट गई।

अमेरिका–भारत संबंधों को मोदी–ट्रंप की दोस्ती से बल मिला, तुलसी गबार्ड की यात्रा के बाद ओडीएनआई का बयान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा पर ओडीएनआई (ऑफिस ऑफ द डायरेक्टर ऑफ नेशनल इंटेलिजेंस) ने कहा गया, ष्भारत में, राष्ट्रीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ यात्रा दशकों से चले आ रहे उजागर करती है, जिसे डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व और ओडीएनआई के प्रवक्ता ने खुफिया निदेशक गबार्ड की साझा करने, रक्षा, अंतरराष्ट्रीय खतरों पर ध्यान अलावा, राष्ट्रीय खुफिया डायलॉग में शामिल हुईं, जहां

बयान जारी किया है। इसमें खुफिया निदेशक ने भारतीय कई द्विपक्षीय बैठकें कीं। यह अमेरिका–भारत संबंधों को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति दोस्ती से बल मिला है। बताया कि भारत में राष्ट्रीय बैठकों में खुफिया जानकारी आतंकवाद–निरोध और केंद्रित किया गया। इसके निदेशक गबार्ड रायसीना उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, सुरक्षित और समृद्ध समाज के लक्ष्यों की ओर बढ़ने के सामूहिक प्रयास पर मुख्य वक्तव्य दिया।

भारतीय शोधकर्ता के निर्वासन पर जज ने लगाई रोक, हमास का समर्थन करने का है आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। कथित तौर पर हमास का समर्थन करने के लिए जिन भारतीय शोधकर्ता पर निर्वासन की तलवार लटक रही थी, उन्हें अब अमेरिका के एक जज ने बड़ी राहत देते हुए उनके निर्वासन पर फिलहाल रोक लगा दी है। बद्र खान सूरी वॉशिंगटन डीसी की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो हैं। बद्र खान सूरी पर बीते दिनों अमेरिका में हमास के समर्थन में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान आतंकी संगठन का समर्थन करने का आरोप लगा है। ट्रंप सरकार हमास समर्थकों को देश से निर्वासित कर रही है, जिसके बाद बद्र खान सूरी

को भी हिरासत में लिया गया है।

भारतीय शोधकर्ता पर ये हैं आरोप

बद्र खान सूरी ने अपने निर्वासन के खिलाफ अदालत में अपील की। अब गुरुवार को वर्जीनिया अदालत की जज पैट्रिसिया टोलिवर जाइल्स ने अपने आदेश में बद्र खान सूरी के निर्वासन पर अदालत के अगले आदेश तक रोक लगा दी है। बद्र सूरी को लुइसियाना के एक डिटेंश सेंटर में हिरासत में रखा गया है। अमेरिका के मानवाधिकार संगठन अमेरिकन सिविल लिबर्ट्रीज यूनियन ने भी इस मामले में एक याचिका दायर की थी। बद्र खान सूरी को सोमवार को उनके अर्लिंगटन स्थित आवास से हिरासत में लिया गया था। अमेरिका के आंतरिक सुरक्षा विभाग होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का दावा है कि बद्र खान सूरी हमास का प्रोपेगेंडा फैला रहे थे और सोशल मीडिया पर यहूदी विरोध को बढ़ावा दे रहे थे। होमलैंड सिक्योरिटी विभाग का आरोप है कि बद्र खान सूरी के हमास के साथ संबंध भी हैं।

फलस्तीनी मूल की है पत्नी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सूरी के वकील हसन अहमद ने अपनी याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी फलस्तीनी मूल की पत्नी की विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। उनकी पत्नी मेफेज सालेह गाजा मूल की हैं। फिलहाल वह जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय के समकालीन अरब अध्ययन केंद्र में प्रथम वर्ष की छात्रा हैं। उन्होंने फलस्तीन स्थित गाजा के इस्लामिक विश्वविद्यालय से पत्रकारिता और सूचना में स्नातक की डिग्री ली है।

अमेरिका में एलन मस्क को बड़ा झटका, अदालत ने नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी सूचना जुटाने से रोका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय न्यायाधीश ने एलन मस्क को बड़ा झटका दिया है। इसके तहत जज ने एलन मस्क के सरकारी दक्षता विभाग को समाजिक सुरक्षा प्रशासन प्रणालियों से अस्थाई रूप से रोक दिया है। जहां मैरीलैंड में अमेरिकी जिला न्यायाधीश एलेन हॉलैंडर ने यह निर्णय लिया कि क्ळम् टीम को सामाजिक सुरक्षा प्रशासन (एसएसए) प्रणालियों से अस्थायी रूप से रोक दिया जाए।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।